आषाढ़ शुक्ल - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 348 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 16-07-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है लेकिन बदलाव धीरे-धीरे होना चाहिए : विक्रम राठौड़

6 हिंसा के लिए जनता को उकसाना कहां तक उचित?

फर्स्ट टेक

नौ नवंबर से पहले उत्तराखंड में लागू होगा यूसीसी : धामी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने नवंबर में होने वाले राज्य स्थापना दिवस से पहले समान नगारिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यहां भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार ने नौ नवंबर के राज्य स्थापना दिवस से पूर्व यूसीसी को लागू करने का लक्ष्य तय किया है।'' उन्होंने कहा कि इसका मसौदा भी सार्वजनिक कर दिया गया है।

आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ना एससीओ की प्राथमिकता : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अस्ताना(कजाकिस्तान)/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर परोक्ष हमला करते हुए कहा है कि क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद एक खतरा बन गया है तथा आतंकी हमलों को अंजाम व बढ़ावा देने और इसका वित्तपोषण करने वालों की पहचान और दंडित करने की जरूरत है। हाल में अस्ताना की काजिनफॉर्म समाचार एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तीन बुराइयों – आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद – के खिलाफ लड़ाई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में प्राथमिकता है।

एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 24वीं बैठक 4 जुलाई को कजाक राजधानी अस्ताना में कजाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जयशंकर ने किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी सम्मेलन में शामिल हुए।

विदेश मंत्री ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बन गया है और इसके लिए हम सभी को तत्काल कार्रवाई करनी होगी।''

जयशंकर ने कहा, ''आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। न केवल आतंकवाद के जघन्य कृत्यों को अंजाम देने वालों की, बल्कि आतंक को बढ़ावा देने वालों, इसके वित्तपोषकों और प्रायोजकों, इन सभी की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।''

विदेश मंत्री ने कहा कि उनका ''दृढ़ विश्वास'' है कि क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (आरएटीएस) के माध्यम से एससीओ के पास क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ उपायों का प्रस्ताव करने के लिए उपयुक्त आधार है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

बहुड़ा यात्रा

हजारों श्रद्धालुओं ने 'जय जगन्नाथ' के जयकारों और झांझ-मंजीरों की ध्वनि के बीच सोमवार को जगत पालक भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की 'बहुड़ा यात्रा' या वापसी यात्रा में उनके रथों को खींचा। श्रद्धालुओं ने भगवान बलभद्र के रथ 'तालध्वज' को अपराह्न तीन बजकर 25 मिनट पर खींचना शुरू किया । देवी सुभद्रा का रथ 'देवदलन' अपराह्न चार बजे वापसी यात्रा पर निकला जबकि भगवान जगन्नाथ के रथ 'नंदीघोष' की 'बहुड़ा यात्रा' अपराह्न चार बजकर 15 मिनट पर शुरू हुई।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करेगी कर्नाटक सरकार

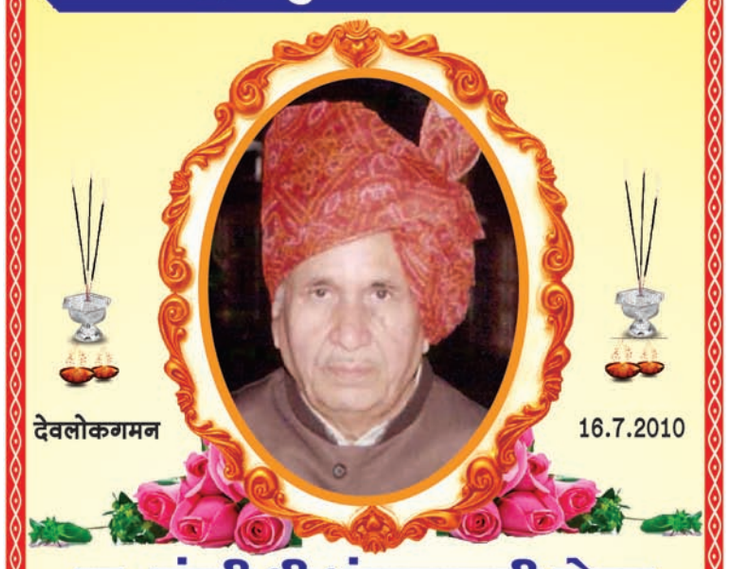

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सोमवार को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें एक अगस्त से लागू करने का फैसला किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया मंगलवार को विधानसभा में इस फैसले की घोषणा कर सकते हैं। इस कदम से राज्य सरकार के सात लाख से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा। पूर्व मुख्य सचिव के सुधाकर राव की अध्यक्षता वाले सातवें वेतन आयोग ने सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन में 27.5 प्रतिशत बढ़ोतरी की सिफारिश की है। इससे सरकारी खजाने पर सालाना 17,440.15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ने का अनुमान है। कर्नाटक राज्य सरकारी कर्मचारी संघ की अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की योजना की घोषणा के बाद से ही सिद्दरामैया सरकार पर वेतन वृद्धि से संबंधित निर्णय लेने का दबाव था। तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मार्च 2023 में कर्मचारियों के वेतन में अंतरिम तौर पर 17 प्रतिशत की वृद्धि की थी। इसमें सिद्दरामैया सरकार 10.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है।

चौदहवां पुण्यस्मरण दिवस

देवलोकगमन 16.7.2010

स्व. संघवी श्री भंवरलालजी बोहरा
(सुपुत्र-स्व.श्री गुलाबचन्दजी बोहरा)

समाज सुदढता के लिए दान प्रवृत्ति को बढावा देना, जिनमंदिरों के निर्माण में सदैव तत्पर, सब परिवारजनों के साथ स्नेहभरा सामंजस्य स्थापित कर अटूट पारिवारिक बंधन को हमेशा मजबूत करने की प्रेरणा देने वाली इस दिव्यात्मा के सद्कर्म सदैव हमारा मार्ग प्रशस्त करते रहें, यही परमात्मा से प्रार्थना है। हम सबकी ओर से दिवंगत पुण्यात्मा को सादर विनम्र श्रद्धांजलि।

श्रद्धावनत
धर्मपत्नी : श्रीमती पिस्ताबाई बोहरा
सुपुत्र-पुत्रवधु : संघवी इन्दरचन्द-पुष्पाबाई, संघवी रमेशचन्द-शकुंतलाबाई, संघवी मंगलचन्द-त्रिशला बोहरा
सुपौत्र-पौत्रवधु : प्रदीप-सीमा, अरुण-ममता, महेन्द्र-अक्षिता, विकास-सीमा, करण-निकिता, राहुल-वृद्धि, पड़पौत्र-पड़पौत्रियां : हर्ष, हार्दिक, प्रणाली, विनती, मिताली, मयंक, चेहक, हुनर, माही एवं समस्त बोहरा परिवार, (बिलावास)
पुत्री-जंवाई : लीलाबाई-गौतमचन्दजी कोचेटा, सुशीलाबाई-आनंदराजजी मेहता
पौत्री-जंवाई : प्रिया-राकेशजी, मान्या, प्रांजल, बिलवाड़िया, सुमन-करणजी, विहाना मरलेचा नीलम-भावेशजी, रियांश सोनीगरा, करुणा-आशीषजी कोचर, कीर्ति-कुणालजी गांधी

B.G. BHAWARILAL BOHRA & SONS
171, J.M. Road, (O.P.H. Rd) Cantt., Bangalore 560 051, 93412 14405

KARNATAKA INNERWEAR ASSOCIATION ®

3 DAY B-2-B EXPO

BODYCARE WOMEN'S INNERWEAR PRESENTS The Inner Story Beyond Imagination — India's Largest Innerwear Trade Show CHAPTER 3

INAUGURATION TODAY TUESDAY 16.7.2024 9AM

16-17-18 JULY 2024 10 AM - 09 PM

Entry for TRADE VISITORS Only

OFFICE BEARERS
N DILIP KUMAR JAIN — President
ASHVIN SEMLANI — Vice President
MAHAVEER CHAND MEHTA — Vice President
RAVINDRA BAMBOLI — Secretary
PRAKASH H JAIN — Treasurer
SHANKY M JAIN — Jt. Secretary
JINENDRA KUMAR — Jt. Secretary
VINOD CHOUHAN — Jt. Treasurer
RAMESH CHAND JAIN — I.P.P

CHIEFGUEST Shri Shivanand S Patil
Hon. Minister of Textiles and Sugarcane Development, Government of Karnataka

GUEST OF HONOR
Shri Parikshit Mohanpuria, IRSEE — Additional Divisional Railway Manager (A)
Shri Sanjay Dawar — Founder & Director, Bodycare Creations Pvt Ltd.
Shri Mahendra H Singhi — Member-ZRUCC, South Western Railway, Hubballi

Gayathri Vihar Sagar, Gate No. 04, Palace Ground, Bengaluru

MANAGING COMMITTEE
RAJESH CHOPRA — Fair Co-ordinator
GOURAV SHARMA
MAHENDRA JAIN
MAHIPAL T JAIN
MOOLSINGH RAJPUROHIT
MANISH A JAIN
MADHURAM KHADAV

OUR SPONSORS
BODYCARE · MACHO SPORTO · AARAM FEED · Prithvi INNER WEARS · BLOSSOM · GROVERSONS Paris Beauty

PARTICIPATING BRANDS
And many more...

सिद्धचक्र विधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विल्सन गार्डन दिगम्बर मंदिर में सिद्धचक्र विधान के दूसरे दिन अरिहंतगिरी के भट्टारक स्वस्तिश्री धवलकीर्ति स्वामीजी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। स्वामीजी ने सिद्धचक्र विधान की महिमा का बखान किया। क्षुल्लक भट्टारक प्रमेय सागरजी ने भी आशीर्वाद दिया। विल्सन गार्डन स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व पर अष्टदिवसीय सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया गया।

चातुर्मास धर्म जागरण का मंगलकारी व कल्याणकारी अवसर है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

हनुमंतनगर स्थानक में हुआ चार्तुमास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में सोमवार को साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी का धूमधाम से सम्पन्न हुआ। साध्वीद्वय ने सोमवार को जैन लाइफ जलसा अपार्टमेंट गवीपुरम एक्सटेंशन से शोभायात्रा के साथ सुबह मंगल प्रस्थान कर स्थानक भवन में वर्षावास प्रवेश किया। साध्वीश्री धर्मप्रभाजी मंगलाचरण किया। सर्वप्रथम महिला मंडल, बहुमंडल की सदस्याओं ने स्वागत गीत पेश किया।संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत भाषण दिया। मंत्री सुरेशकुमार धोका ने साध्वीद्वय का स्वागत कर कृतज्ञता व्यक्त की।

साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की तिथि का विशेष महत्व है। जहां आज बेंगलूरु एवं बाहर के क्षेत्रों में संत,सती मण्डल ने अपने अपने क्षेत्रों में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि चातुर्मास धर्म जागरण का पावन मंगलकारी, कल्याणकारी अवसर है। साध्वी मंडल ने हनुमंतनगर संघ की सेवा भावना की सराहना करते हुए वर्षावास में ज्यादा से ज्यादा धर्म, ध्यान,तप,जप, स्वाध्याय, सामायिक संवर प्रतिक्रमण, त्याग साधना, आराधना करने की प्रेरणा की। मरूधर केसरीजी एवं प्रवर्तकश्री रूपमुनिजी महाराज के महान उपकारों को याद किया। हनुमंतनगर संघ-ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया। पारस मल कटारिया, प्रभा खाबिया, महावीरचंद सिसोदिया, सुरेन्द्र मेहता, देवीलाल पितलिया, अशोक धोका,सरला दुगड़, शीतल रांका, धनपत धारीवाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड़, हुकमीचंद कांकरिया, रणजीतमल कानूगा, पदमराज मेहता, अशोक रांका सहित महिला मंडल अध्यक्षा मंजूबाई , रतनीबाई मेहता, युवक मंडल अध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना एवम संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर चेन्नई, ऊटी आदि शहरों से गुरु भक्त उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ सचिव सुरेश कुमार धोका ने किया।

अमित शाह ने वृक्षारोपण का विश्व कीर्तिमान बनाने पर इंदौर को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ''एक टीम द्वारा 24 घंटे के भीतर सबसे अधिक पौधे लगाकर'' गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने पर इंदौर शहर को बधाई दी और कहा कि शहर में मां धरती मुस्कुरा रही हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर पहले ही भारत का सबसे स्वच्छ शहर है और अब उसने एक दिन में 11 लाख पौधे लगाकर विश्व कीर्तिमान बना दिया है।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र और उसे ग्रहण करने की तस्वीर भी साझा की।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री शाह ने रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हिस्सा लिया था और इंदौर में एक पौधा रोपा था। शाह ने रविवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''बधाई इंदौर! इंदौर शहर ने एक दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत 11 लाख पौधे रोप कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने नजीर की पेश की है जिसका आने वाले सालों में लाखों लोगों द्वारा अनुकरण किया जाएगा। मां धरती इंदौर में मुस्कुरा रही हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के दिन 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की थी।

शाह ने कहा कि इस अभियान के तहत देश भर में 140 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे जिनमें से पांच करोड़ पौधे 'भारत के फेफड़े' मध्य प्रदेश में रोपे जाएंगे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की वेबसाइट के अनुसार, 24 घंटे में सबसे अधिक पौधे लगाने का पिछला रिकॉर्ड 9,21,730 पौधों का था। उक्त रिकॉर्ड असम सरकार के वन विभाग ने उदलगुड़ी में 13 और 14 सितंबर, 2023 को बनाया था।

विपक्ष में बैठने से किसी को भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई से छूट नहीं मिल जाती : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को उच्चतम न्यायालय से झटका मिलने के बाद सोमवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष में बैठने भर से किसी को भी भ्रष्टाचार के मामलों और उसके बाद की कार्रवाई से छूट नहीं मिल जाती।

भाजपा के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के भ्रष्टाचार के आरोपी कई नेता जमानत पर बाहर हैं और उन्हें अदालतों से कोई राहत नहीं मिल रही है। ज्ञात हो कि उच्चतम न्यायालय ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी को चुनौती देने वाली शिवकुमार की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। शीर्ष अदालत शिवकुमार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर 2023 के आदेश को चुनौती दी है। इस आदेश में उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच आय के अपने ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। वह उस दौरान तब की कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। सीबीआई ने तीन सितंबर 2020 को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। शिवकुमार ने 2021 में उच्च न्यायालय में प्राथमिकी को चुनौती दी थी। संबंधित फैसले की एक रिपोर्ट 'एक्स' पर साझा करते हुए मालवीय ने कहा कि 'भ्रष्ट इंडी' गठबंधन के नेता, चाहे वह ममता बनर्जी के भतीजे हों या लालू प्रसाद और परिवार, केजरीवाल एंड कंपनी हो, केसीआर के नाम से लोकप्रिय तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता या फिर सोनिया और राहुल गांधी, जो वर्तमान में नेशनल हेराल्ड घोटाले में जमानत पर हैं, अदालतों से इन्हें कोई राहत नहीं मिली है। उन्होंने कहा, ''एजेंसियों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाना आसान है, लेकिन विपक्ष में बैठने से किसी को भी भ्रष्टाचार के मामलों और उसके बाद की कार्रवाई से छूट नहीं मिल जाती...।'' मालवीय ने कहा कि यदि विपक्ष को लगता है कि कोई भ्रष्ट है और उसे सत्ता पक्ष का संरक्षण मिल रहा है तो उसे उसके खिलाफ न्यायालय जाने और कार्रवाई की मांग करनी चाहिए।

भाजपा विधायक ने कॉलेज की डिग्री का किया 'अपमान' : छात्रों को पंचर की दुकान खोलने की सलाह दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुना/भाषा। मध्य प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पन्नालाल शाक्य ने एक विवादास्पद बयान देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि डिग्री हासिल करने से कुछ नहीं होगा और वे ''मोटरसाइकिल पंचर की दुकान''खोल लें। विधायक ने यह बयान ऐसे समय दिया जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र गुना में 'पीएम कॉलेस ऑफ एक्सीलेंस' के उद्घाटन के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को इंदौर में आयोजित एक समारोह में राज्य के 55 जिलों में 'पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया था। इस अवसर पर गुना सहित संबंधित जिलों में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। गुना में आयोजित कार्यक्रम में शाक्य ने कहा, ''हम आज 'पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ कर रहे हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि एक बोध वाक्य दिमाग में रखें कि इन महाविद्यालयों की डिग्रियों से कुछ नहीं होने वाला है। इसके बजाय, कम से कम आजीविका कमाने के लिए मोटरसाइकिल पंचर ठीक करने की दुकान खोलें।'' इंदौर में रविवार को आयोजित विशाल पौधारोपण अभियान का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाक्य ने कहा, ''लोग पौधे तो लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें पानी देने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।'' अभियान के तहत इंदौर शहर में 24 घंटे के दौरान 11 लाख से अधिक पौधे रोपे गए जो नया विश्व कीर्तिमान है। विधायक ने कहा कि सबसे पहले 'पंचतत्वों' (पृथ्वी, वायु, जल, सौर ऊर्जा और आकाश) को बचाना चाहिए जिनसे मानव शरीर का निर्माण होता है।

रूस को निर्यात बढ़ाने के लिए व्यापार बाधाएं दूर करने पर विचार : वाणिज्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस को निर्यात बढ़ाने और 100 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य हासिल करने को व्यापार अड़चनें दूर करने और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सोमवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हाल में मॉस्को में हुई शिखर बैठक के बाद एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल रूस के दौरे पर जा सकता है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गैर-शुल्क बाधाएं हैं, जिनपर हमने रूस से विचार करने के लिए कहा है। रूस की एक और यात्रा होगी। हम बेहतर बाजार पहुंच (रूस को भारतीय निर्यात बढ़ाने के लिए) पर विचार कर रहे हैं।'' भारत और रूस ने वर्ष 2030 तक वार्षिक व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 67 अरब डॉलर है। बर्थवाल ने कहा, ''हम निर्यात की जा सकने वाली विभिन्न वस्तुओं, मसलन इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग एवं अन्य उत्पादों पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारतीय समुद्री और औषधि निर्यातकों को प्रमाणपत्र के मामले में रूस में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

महाराष्ट्र से परियोजनाएं जाने पर विवाद: शेलार ने संजय राउत पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र से उद्योगों के बाहर जाने के शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के आरोप पर उनकी आलोचना करते हुए मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार ने सोमवार कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी से संबद्ध मजदूर संघ राज्य में औद्योगिक इकाइयों को तंग कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस को शामिल कर बनी महा विकास आघाडी के नेता ने नियमित रूप से एकनाथ शिंदे सरकार पर परियोजनाओं और निवेशों को अन्य राज्यों, विशेष रूप से पड़ोसी गुजरात, में जाने से रोकने में सक्षम नहीं होने का आरोप लगाया है। 'एक्स' पर एक संदेश में शेलार ने कहा कि एल एंड टी, महिंद्रा, खंबाटा, एएफएल लॉजिस्टिक और पुणे स्थित बजाज ऑटो लिमिटेड जैसी कंपनियां ऐसे मजदूर संघों के दबाव के कारण महाराष्ट्र छोड़ कर चली गईं। भारतीय जनता पार्टी के नेता शेलार ने वेदांता फॉक्सकॉन, कोंकण के बारसू में तेलशोधक परिसर और दहानु के वधावन में विशाल बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के विरोध पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस तरह के कदम इस विमर्श के विपरीत हैं कि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास से वंचित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राउत और उनकी पार्टी अब एस.के. पाटिल और मोरारजी देसाई (तत्कालीन बंबई राज्य के मुख्यमंत्री) की कांग्रेस के साथ बैठी है, जिसने मुंबई को महाराष्ट्र में मिलाने के लिए संघर्ष कर रहे आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाई थीं। यह संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन और 21 नवंबर 1955 की घटना का स्पष्ट संदर्भ है, जिसमें फ्लोरा फाउंटेन में 106 लोगों की (पुलिस की) गोलियां लगने से जान गयी थी। शेलार ने दावा किया, कांग्रेस के हाथों पर महाराष्ट्र राज्य के लिए बलिदान देने वाले मराठी लोगों का खून है। इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा।

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षा बलों ने जम्मू, डोडा, रियासी जिलों में तलाशी अभियान चलाया

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के जम्मू, डोडा और रियासी जिलों में सोमवार को कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक ग्रामीण ने तीन लोगों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दी थी जिसके बाद सोमवार को तड़के जम्मू के अखनूर सेक्टर में लोअर घरोटा, थाथी और आसपास के इलाकों में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कर्मियों ने संयुक्त अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि दो घंटे से अधिक समय के अभियान के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। डोडा जिले के कोटी वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सेना की सहायता से सुबह साढ़े नौ बजे घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है, लेकिन अभी तक आतंकवादियों की मौजूदगी का पता नहीं लगा है।

जेल में केजरीवाल का वजन दो किलो कम हुआ, 'आप' के दावे भ्रामक: तिहाड़ प्रशासन

नई दिल्ली/भाषा। तिहाड़ जेल प्रशासन ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन जेल में केवल दो किलोग्राम कम हुआ है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का एक चिकित्सा बोर्ड उनकी नियमित निगरानी कर रहा है। जेल प्रशासन ने आम आदमी पार्टी (आप) के उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया है कि उसके पार्टी प्रमुख केजरीवाल की सेहत बिगड़ रही है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग को भेजी गई एक रिपोर्ट में तिहाड़ प्रशासन ने केजरीवाल के बारे में जानकारी साझा की और कहा कि आप मंत्रियों और नेताओं द्वारा गढ़ी गई कहानी ''जनता को भ्रमित और गुमराह करती है।'' इस बीच आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि जेल अधिकारियों द्वारा 'लीक' की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि केजरीवाल का वजन कम हो गया और उन्हें जेल में कई बार 'हाइपोग्लाइसीमिया' (रक्त शर्करा के कम होने की समस्या) का सामना करना पड़ा जिसके कारण 'कुछ अप्रिय' घटित हो सकता है। आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल की 21 मार्च को गिरफ्तारी के बाद से आप और तिहाड़ जेल प्रशासन उनके स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर आमने-सामने हैं। तिहाड़ की रिपोर्ट में कहा गया है कि जब केजरीवाल पहली बार एक अप्रैल को जेल आए थे तो उनका वजन 65 किलोग्राम था और आठ से 29 अप्रैल के बीच उनका वजन 66 किलो था।

भाजपा ने हिंदू वोटों के लिए कश्मीरी पंडितों के पलायन मुद्दे का इस्तेमाल किया : पनुन कश्मीर

जम्मू/भाषा। पनुन कश्मीर ने सोमवार को भाजपा नेतृत्व की आलोचना करते हुए उस पर कश्मीरी हिंदुओं के पलायन के मुद्दे का इस्तेमाल पूरे भारत में हिंदू वोट हासिल करने और अपने विरोधियों पर आरोप लगाने की खातिर करने का आरोप लगाया। कश्मीरी पंडितों के अधिकारों की वकालत करने वाले संगठन ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में विस्थापित समुदाय की उपेक्षा की है। उसने कहा कि अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित करने के बावजूद भाजपा सरकार ने कश्मीरी पंडितों के प्रति उदासीनता और पक्षपात रवैया अपनाया है।

जोमैटो ने चुनिंदा शहरों में अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में बढ़ोतरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खानपान उत्पादों की ऑनलाइन आपूर्ति करने वाले मंच जोमैटो ने दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु में प्रत्येक ऑर्डर पर लिए जाने वाले शुल्क को पांच रुपये से बढ़ाकर छह रुपये कर दिया है।

हालांकि, जोमैटो के प्रतिद्वंद्वी मंच स्विगी ने एक दिन पहले अपने शुल्क में की गई बढ़ोतरी सोमवार को वापस ले ली। इसके ऐप पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, अब स्विगी एक ऑर्डर पर पहले की ही तरह पांच रुपये का शुल्क ले रही है। इस बढ़ोतरी की वजह के बारे में संपर्क किए जाने पर जोमैटो और स्विगी दोनों ने ही कोई प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया। दोनों ही ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनियों ने पिछले साल पहली बार अपने मंच के जरिये दिए जाने वाले ऑर्डर पर शुल्क लगाया था। शुरुआत में यह शुल्क दो रुपये प्रति ऑर्डर था जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया गया।

जानकारों का कहना है कि जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां प्लेटफॉर्म शुल्क लगाकर लाभ कमाने की अपनी क्षमता बढ़ाना चाहती हैं। इस खंड में इन दोनों कंपनियों का ही दबदबा है।

उद्धव ठाकरे विश्वासघात के शिकार : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उत्तराखंड स्थित ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे विश्वासघात के शिकार हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इस साल जनवरी में अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इनकार कर दिया था।

ठाकरे से मुंबई के बांद्रा स्थित उनके आवास 'मातोश्री' में मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, ''उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है और कई लोग इससे आक्रोशित हैं। मैं उनके आग्रह पर उनसे मिला और कहा कि जनता को हुई पीड़ा उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने तक कम नहीं होगी।'' स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, '' उन्होंने (ठाकरे) ने कहा कि वह हमारे आशीर्वाद से जो भी जरूरत होगी, करेंगे।'' उन्होंने कहा कि विश्वासघात सबसे बड़ा पाप है।

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने कहा, ''जो विश्वासघात करता है वह हिंदू नहीं हो सकता है। जो विश्वासघात सहता है, वह हिंदू है।'' उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र की पूरी जनता विश्वासघात से आक्रोशित है और यह हाल के (लोकसभा) चुनाव में प्रतिबिंबित भी हुआ।'' उन्होंने कहा, ''हमारा राजनीति से कोई लेना देना नहीं है लेकिन हम विश्वासघात के बारे में बात कर रहे हैं जो धर्म के अनुसार पाप है।''

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 10 जुलाई को दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की आधारशिला रखने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा, ''जब केदारनाथ का पता हिमालय है तो कैसे यह दिल्ली में हो सकता है? आप लोगों को क्यों भ्रमित कर रहे हैं।'' शंकराचार्य ने मातोश्री में आयोजित पूजा समारोह में भी हिस्सा लिया।

प्रत्येक 10 में से नौ मोबाइल ग्राहक कॉल ड्रॉप की समस्या से परेशान: सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

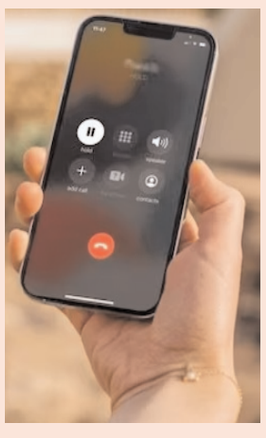

नई दिल्ली/भाषा। लगभग 89 प्रतिशत मोबाइल उपयोगकर्ताओं को पिछले तीन माह में कॉल ड्रॉप की समस्या का सामना करना पड़ा है और 10 में से नौ लोगों ने कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप के जरिये कॉल करने के लिए वाई-फाई नेटवर्क का इस्तेमाल किया है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सोमवार को यह आकलन पेश किया गया। ऑनलाइन सर्वेक्षण फर्म लोकलसर्किल्स ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि मार्च और जून के बीच मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को कॉल ड्रॉप की अधिकता का सामना करना पड़ा है। यह सर्वेक्षण 362 जिलों से विभिन्न सवालों पर आई कुल 32,000 प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ''सर्वेक्षण में शामिल 89 प्रतिशत ग्राहकों को फोन पर दूसरे से संपर्क करने और चलती कॉल के बीच में कटने की की समस्या का सामना करना पड़ा है। इन 89 प्रतिशत लोगों में से 38 प्रतिशत को 20 प्रतिशत से अधिक कॉल में समस्या का सामना करना पड़ा है।'' कॉल ड्रॉप के संबंध में 17 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें अपनी आधी से भी अधिक कॉल में समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि उनके 20-50 प्रतिशत कॉल कट जाते हैं या अचानक कनेक्शन टूट जाता है।

लोकलसर्किल्स के संस्थापक सचिन तपारिया ने कहा, ''अधिकांश मोबाइल ग्राहकों को कॉल कनेक्शन और कॉल ड्रॉप की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में हर 10 में से नौ लोग कुछ कॉल के लिए इंटरनेट कॉल और व्हाट्सएप जैसे ओटीटी ऐप का इस्तेमाल करने लगे हैं।'' सर्वेक्षण के मुताबिक, मोबाइल ग्राहकों के बीच पिछले दो साल में वाई-फाई के जरिये कॉल करने के लिए ओटीटी ऐप का इस्तेमाल बढ़ा है। इसकी वजह यह है कि ग्राहकों को अपने मोबाइल नेटवर्क के साथ कॉल कनेक्टिविटी और ड्रॉप की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

वरिष्ठ विधायक सुरेश बाबू को कर्नाटक विधानसभा में जद(एस) पार्टी का नेता नियुक्त किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू.टी खादर ने सोमवार को बताया कि जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ विधायक सी बी सुरेश बाबू को सदन में पार्टी का नेता नियुक्त किया गया है। जद (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच.डी.कुमास्वामी के लोकसभा में निर्वाचित हो जाने से कर्नाटक विधानसभा में यह पद खाली हो गया था। खादर ने सदन को बताया, जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी ने 14 जुलाई को एक पत्र सौंपा था, जिसमें कहा गया कि चिकनैकानाहल्ली के विधायक सी बी सुरेश बाबू को कर्नाटक विधानसभा में जद(एस) पार्टी का नेता नियुक्त किया गया है और इसे मान्यता दी जानी चाहिए। तदनुसार, सुरेश बाबू को जद(एस) पार्टी का नेता माना गया है। कुमारस्वामी ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में निर्वाचित होने के बाद चन्नापटना विधानसभा सीट से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था।

कन्या भ्रूण हत्या मामले में जमानत पाने को कठिन बनाने के लिए कर्नाटक सरकार कानून मजबूत करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु, 15 जुलाई (भाषा) कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कानून को और मजबूत करेगी कि कन्या भ्रूण हत्या में शामिल चिकित्सकों और झोलाछाप चिकित्सकों को आसानी से जमानत नहीं मिले। राव ने कहा कि उनका विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग के साथ चर्चा करेगा कि ऐसे मामलों को 'गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम, 1994' के तहत दर्ज किया जाए।

मंत्री ने विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य सी टी रवि के सवाल पर जवाब देते हुए कहा, भ्रूण हत्या के आरोपियों को जमानत मिल जाती है। हम उनके साथ कानूनी लड़ाई में असफल रहे हैं। हम आने वाले दिनों में खामियों को दूर करने के लिए उनका आकलन कर रहे हैं। रवि ने पूछा कि सरकार पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत ऐसे झोलाछाप चिकित्सकों के खिलाफ मामले दर्ज क्यों नहीं कर रही है, जो एक सख्त कानून है। इस पर राव ने कहा कि उनका विभाग कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए गंभीर है और केवल एक वर्ष में 23 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा, पिछले 21 वर्ष में 100 से कम मामले दर्ज किए गए लेकिन महज एक साल में 23 मामले दर्ज किए गए जो हमारी गंभीरता को दिखाता है। यह सच है कि हम कानून लड़ाइयां उचित तरीके से नहीं लड़ पा रहे हैं। राव ने कहा, भविष्य में सभी मामलों को उचित तरीके से दर्ज किया जाएगा। चूंकि पुलिस मामले दर्ज करती है तो हमने पुलिस विभाग के साथ चर्चा की है।

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे निगम के अध्यक्ष एवं विधायक दल विधान सौधा पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। घोटाले के आरोपों से घिरे कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल सोमवार को बेंगलुरु में विधान सौध पहुंचे। पिछले कुछ दिनों से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था। रायचूर ग्रामीण से कांग्रेस के विधायक दद्दल सोमवार को विधानसभा सत्र में हिस्सा लेने के लिए विधान सौध पहुंचे। यह सत्र सोमवार से शुरू होकर 26 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह लापता नहीं थे बल्कि अपने गांव गए थे। विभिन्न बैंक खातों में 88 करोड़ रुपये के अवैध हस्तांतरण के संबंध में विधायक ने कहा कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय से कोई नोटिस नहीं मिला है। करोड़ों रुपये के इस घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के साथ ईडी भी शामिल हो गई है। ईडी ने पांच दिन पहले पूर्व मंत्री बी नागेंद्र और दद्दल से संबद्ध कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। घोटाले के सिलसिले में शुक्रवार को नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कथित 'घोटाला' उस वक्त सामने आया जब महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली। चंद्रशेखरन ने सुसाइड नोट में आरोप लगाया था कि निगम के 88 करोड़ रुपये अवैध तरीके से हस्तांतरित किए गए हैं। नागेंद्र ने चंद्रशेखरन की मौत के बाद इस्तीफा दे दिया था। इस पर कांग्रेस सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया, जिसने अब तक इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एसआईटी ने मंगलवार को नागेंद्र और दद्दल से पूछताछ की थी। 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया' ने भी धन के अवैध हस्तांतरण के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद सीबीआई भी मामले की जांच कर रही है।

कर्नाटक सरकार ने 'एम्स' को लेकर केंद्र पर राज्य के प्रति सौतेला रुख अपनाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना और मौजूदा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों का उन्नयन करने के मुद्दे पर राज्य के प्रति सौतेला रुख अपना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रायचूर जिले में एम्स की स्थापना के लिए राज्य सरकार की ओर से बार-बार अनुरोध करने पर भी जवाब नहीं दे रही है।

विधान परिषद में जनता दल (सेक्युलर) के सदस्य के ए थिप्पेस्वामी के सवाल के जवाब में पाटिल ने कहा, कर्नाटक और केरल को छोड़कर भारत के सभी राज्यों में एम्स की स्थापना हो चुकी है। केंद्र को फैसला करना है। यह कर्नाटक के प्रति सौतेला रुख है। थिप्पेस्वामी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि लोगों को 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के तहत तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदान करने के लिए वह रायचूर में एम्स की स्थापना और मौजूदा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों के उन्नयन के लिए 'कुछ नहीं' कर रही है।

पाटिल ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिक मंत्री एन एस बोसराजू के साथ तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की थी और राज्य में एम्स की स्थापना के लिए उनसे अनुरोध किया था।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने एम्स की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है और यहां तक कि व्यक्तिगत तौर पर भी उन्हें अनुरोध पत्र दिया है, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने रायचूर में एम्स के लिए भूमि चिह्नित कर ली है और जब भी जरूरत होगी, वह इसे उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

शिवकुमार ने याचिका खारिज होने पर कहा

कुछ भी गलत नहीं किया, न्यायालय के आदेश का पालन करूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई की प्राथमिकी को चुनौती देते हुए उनकी ओर से दायर याचिका उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज किये जाने के बाद सोमवार को कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और शीर्ष अदालत के आदेश का पालन करेंगे। शिवकुमार ने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई मंजूरी वापस ले ली है और मामला लोकायुक्त को सौंप दिया है, इसलिए सीबीआई जांच नहीं कर सकती।

शिवकुमार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने प्राथमिकी रद्द किये जाने का आग्रह किया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह नहीं किया जा सकता। मैंने अपील दायर की और अब मुझे यह संदेश मिला कि उन्होंने (उच्चतम न्यायालय) भी कहा है कि यह नहीं किया जा सकता। अदालत जो कुछ कह रही है, उसका पालन करूंगा।

उन्होंने कहा, जांच तो होगी ही। सीबीआई को जांच नहीं करनी चाहिए, यह कहने के बावजूद वह जांच कर रही है। लोकायुक्त भी जांच कर रहे हैं। उन्हें करने दीजिए, मैंने कुछ गलत नहीं किया है। शिवकुमार ने सीबीआई के जांच जारी रखने का जिक्र करते हुए कहा, जब हमारी सरकार ने (मुकदमा चलाने की मंजूरी) वापस ले ली और मामला लोकायुक्त को सौंप दिया गया, तो सीबीआई जांच नहीं कर सकती। लेकिन वे (सीबीआई) अदालत चले गए...। मेरी संपत्ति और देनदारियों का विवरण, जो भी आवश्यक होगा मैं दूंगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह इरादतन किया जा रहा है, उन्होंने कहा, मैं अदालती विषयों पर कैसे बोल सकता हूं? अदालत के आदेश का पालन करना होगा। शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालय के 19 अक्टूबर 2023 के उस आदेश के खिलाफ शिवकुमार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को जांच पूरी करने और तीन महीने के अंदर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित की। वह इस अवधि के दौरान पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। प्राथमिकी तीन सितंबर 2020 को सीबीआई द्वारा दर्ज की गई थी। शिवकुमार ने प्राथमिकी को 2021 में उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए 1800 करोड़ रु की लागत से 'व्हाइट टॉपिंग' की जाएगी : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि सरकार बेंगलूरु में 157 किलोमीटर लंबी सड़कों की 'व्हाइट टॉपिंग' के लिए 1,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये सड़कें गड्ढा मुक्त हों और करीब 25 साल तक ऐसी ही बनी रहें। व्हाइट टॉपिंग, मौजूदा सड़क को कंक्रीट की परत से ढकने की एक प्रक्रिया है। शिवकुमार ने कहा, बेंगलूरु की सड़कों पर गड्ढे होने की आशंका है। इससे पहले उन्होंने चामराजपेट, गांधीनगर, मल्लेश्वरम और महालक्ष्मीपुरा क्षेत्रों में 200 करोड़ रुपये की लागत से 'व्हाइट टॉपिंग' की गई 19.67 किलोमीटर लंबी सड़कों का उद्घाटन किया।

वाल्मिकी फंड घोटाले पर भाजपा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम में बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगाते हुए सोमवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने सरकार पर अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए दिए गए धन के गबन का आरोप लगाया, जिससे आक्रोश फैल गया और जवाबदेही की मांग की गई। भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा, विधानसभा एलओपी आर अशोक और भाजपा नेता सीटी रवि के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक न्याय और पारदर्शिता की मांग करते हुए विधान सौध के सामने एकत्र हुए।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चुनावी उद्देश्यों के लिए निगम के धन को लूट लिया है और कमजोर जनजातियों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। कांग्रेस सरकार ने ध्यान भटकाने की कोशिश में भाजपा पर पलटवार करते हुए उसे 'घोटालों का जनक' कहा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि भाजपा अपने भ्रष्टाचार घोटालों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। येडीयुरप्पा ने घोषणा की,हम चुप नहीं रहेंगे। हम कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करना जारी रखेंगे और कर्नाटक के लोगों के लिये न्याय सुनिश्चित करेंगे। वाल्मिकी फंड घोटाले ने कांग्रेस सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कन्नड़ अभिनेता-फिल्म निर्माता रक्षित शेट्टी के खिलाफ 'कॉपीराइट' उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ अभिनेता और फिल्म निर्माता रक्षित शेट्टी के खिलाफ उनकी फिल्म 'बैचलर पार्टी' में एक संगीत कंपनी के दो गानों का कथित तौर पर 'अनधिकृत उपयोग' करने के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 'एमआरटी म्यूजिक' के साझेदार नवीन कुमार ने शेट्टी और उनके प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ यशवंतपुरा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी संगीत कंपनी के दो गाने 'गालिमथु' और न्याय एल्लिदे' का अधिकृत अनुमति प्राप्त किए बिना इस्तेमाल किया गया है। उसने बताया कि इस मामले के संबंध में अभिनेता को नोटिस जारी किया गया है।

शेट्टी और उनकी टीम ने इस आरोप पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। अभिजीत महेश द्वारा निर्देशित 'बैचलर पार्टी' फिल्म इस साल 26 जनवरी को रिलीज हुई थी और शेट्टी की कंपनी 'परमवाह स्टूडियोज' ने इसका निर्माण किया था। शिकायतकर्ता ने प्राथमिकी में आरोप लगाया कि शेट्टी ने प्रसारण और स्वामित्व अधिकार की अनुमति लिए बिना कॉपीराइट अधिनियम का उल्लंघन करते हुए फिल्म में इन गानों का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस साल जनवरी में दोनों पक्षों के बीच इन गानों का फिल्म में इस्तेमाल करने के संबंध में चर्चा की गई थी, लेकिन यह असफल रही थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, दर्ज शिकायत के आधार पर हमने 24 जून को अभिनेता के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता से इस मामले में कुछ दस्तावेज भी प्राप्त हुए, जिसके आधार पर 14 जुलाई रविवार को अभिनेता को नोटिस भी भेजा गया है। अभिनेता की टीम को आज नोटिस प्राप्त हुआ है। चूंकि, अभिनेता अन्य फिल्म की शूटिंग के लिए राज्य से बाहर हैं।

स्टालिन ने कावेरी का कम पानी छोड़ने के कर्नाटक सरकार के रुख की निंदा की, सर्वदलीय बैठक बुलायी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु को कावेरी नदी का कम पानी छोड़ने का कर्नाटक सरकार का रुख कड़ी निंदा योग्य है। उन्होंने घोषणा की कि अंतरराज्यीय नदी विवाद में आगे के कदम पर फैसला करने के लिए 16 जुलाई को विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई गई है। स्टालिन ने यहां एक बयान में कहा कि 15 जुलाई 2024 तक कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फुट है, जबकि तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल स्तर मात्र 13.808 टीएमसी फुट है। स्टालिन ने कहा कि इसके अलावा, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, पर्याप्त वर्षा की गुंजाइश है, इसलिए, कर्नाटक का कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देश के अनुसार पानी छोड़ने से इनकार करना तमिलनाडु के किसानों के साथ विश्वासघात है। स्टालिन ने कहा कि राज्य इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा था कि राज्य सरकार सीडब्ल्यूआरसी के निर्देशानुसार इस महीने के अंत तक एक टीएमसी फुट के बजाय कावेरी नदी से तमिलनाडु को प्रतिदिन 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए तैयार है। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने कावेरी जल को लेकर उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श करने के लिए राज्य विधानसभा में प्रतिनिधित्व करने वाले दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई है।

भाजपा नेता अन्नामलाई ने सरकार से नीट पर श्वेत पत्र लाने की मांग की

सलेम। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सोमवार को अपनी मांग दोहराई कि तमिलनाडु सरकार मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' पर श्वेत पत्र जारी करे। उन्होंने दावा किया कि यह परीक्षा समाज के गरीब तबके के लिए फायदेमंद है।

केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान
केंद्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय – भारत सरकार
सी एस बी कॉम्प्लेक्स, बी टी एम लेआउट, मडिवाला, बेंगलुरु -560068, कर्नाटक.

फ़ाइल संख्या.केरेबो-केरेप्रौअसं/3(284)/2024 प्रत्यक्ष-साक्षात्कार तारीख: 16.07.2024

30.11.2025 तक की अवधि के लिए परियोजना सहायक (01) के पद (परियोजना का नाम "रेशम हथकरघा उद्योग में दूसरी पीढ़ी के उद्यमियों के गुणों और प्रेरक कारकों पर एक अध्ययन") के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। कार्यकाल परियोजना अवधि के साथ समाप्त हो जायेगा।

इच्छुक उम्मीदवार **06.08.2024** को सुबह **10.00** बजे साक्षात्कार में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट: **cstri.res.in** और **csb.gov.in** देखें।

सी बी सी: 41109/12/0006/2425 निदेशक

भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान बनाने के लिए सब मिलकर प्रयास करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजस्थान को समृद्ध, संपन्न और भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया और भ्रष्टाचार के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं' की सख्त नीति अपनाते हुए भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए समन्वित प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

मिश्र ने सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि कहीं भी, किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार पाया जाता है तो त्वरित उसकी शिकायत की जाए। उन्होंने कहा कि ब्यूरो प्रयास करे कि अपराधी बचने न पाए और पुख्ता सबूत जुटाए जाएं ताकि अपराधी को किसी भी स्तर पर साक्ष्य के अभाव का लाभ नहीं मिले। राज्यपाल ने कहा ब्यूरो को भ्रष्टाचार रोकने के लिए कोई ऐसी व्यूह रचना बनाने की आवश्यकता है कि एक बार कोई पकड़ा जाए तो फिर कानूनन वह किसी स्तर पर छूटे नहीं। उन्होंने भ्रष्टाचार से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की चर्चा करते हुए कहा कि सार्वजनिक सेवा में अपने पद का, रुतबे का दुरुपयोग और अधिकारी के रूप में प्राप्त जानकारी का दुरुपयोग किया जाना भी भ्रष्ट आचरण में ही आएगा।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो लोगों को इस बात के लिए निरंतर जागरूक करे कि कहीं कोई रिश्वत की मांग करे या कहीं किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हो तो उसकी तत्काल सूचना दी जाए। इस सूचना पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाही भी होनी चाहिए क्योंकि भ्रष्टाचार से लड़ना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

मिश्र ने कहा कि लोकसेवकों का यह कर्तव्य है कि वे जनता से जुड़े सभी कार्यों में ईमानदारी बनाए रखें ताकि सरकारी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास निरंतर बना रहे। उन्होंने कहा कि इसी से समतामूलक समाज के निर्माण को भी प्रभावी रूप में सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने लोक सेवकों से शुचिता का आचरण करने और इसे सभी स्तरों पर सुनिश्चित कराने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधाश पंत ने कहा कि अधिकारियों को निर्णय तुरंत लेना चाहिए और तत्काल उसका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे भ्रष्टाचार को काफी हद तक रोका जा सकता है। राज्य के पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने कहा कि लगभग सभी जिला मुख्यालयों पर भ्रष्टाचार निरोधक कार्यालय प्रभावी कार्य कर रहे हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि भ्रष्टाचार राष्ट्र और राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के बाद राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक कार्रवाई सर्वाधिक की गई है।

राजस्थान की सभी तहसीलें जल्द ही ऑनलाइन होंगी : राजस्व मंत्री

जयपुर। राजस्थान सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा को आश्वस्त किया कि राज्य की सभी तहसीलों को ऑनलाइन करने का काम जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की कुल 426 तहसीलों में से 416 तहसीलें ऑनलाइन अधिसूचित हो चुकी हैं तथा शेष 10 तहसीलों को भी जल्द ही ऑनलाइन कर दिया जाएगा जिससे राज्य के आमजन को राजस्व सम्बन्धी कार्य सहज एवं सुलभ उपलब्ध हो सकेंगे। इससे पहले विधायक चेतन पटेल कोलाना के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में राजस्व मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र पीपल्दा की तहसील पीपल्दा के सभी 174 ग्राम एवं तहसील दीगोद के 86 गांव में से 63 ग्रामों के राजस्व रिकॉर्ड को ऑनलाइन किया जा चुका है।

कार नदी में गिरी, दो लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में रविवार की शाम एक कार के सड़क से नदी के पानी में गिर जाने के कारण कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना खेरवाड़ा के जलपाका के पास उस समय घटी जब कार में सवार पांच दोस्त एक मंदिर से लौट रहे थे। घुमावदार मोड़ के पास कार गाय को टक्कर मारते हुए नदी के पानी में गिर गई। उन्होंने बताया कि तीन लोग कार से बाहर निकल गये और बच गए लेकिन कार में सवार दो अन्य... चिराग मेघवाल (24) और तिलकेश मीणा (25) डूबती हुई कार में फंस गए और उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये।

महिला ने अपने बेटे का गला दबाया, और फिर आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने बेटे की गला दबाकर कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। चौथ का बरवाड़ा के वृत्ताधिकारी घनश्याम वर्मा ने बताया कि विनोद की 28 वर्षीय पत्नी रोशनी ने रविवार देर रात अपने करीब पांच साल के बेटे का गला दबाकर उसे फांसी पर लटका दिया और फिर खुद भी अपने घर में छत से लटककर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि मामला तब सामने आया जब उसका पति रात करीब आठ बजे बाजार से घर लौटा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच के अनुसार, रोशनी और विनोद के बीच बहस हुई जिसके बाद विनोद बाजार चला गया था। वर्मा ने बताया कि जब वह वापस लौटा तो उसने अपनी पत्नी और बेटे को घर के एक कमरे में फंदे से लटका पाया।

चीन में मारे गए युवक की पार्थिव देह को स्वदेश लाया जाए : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विदेश मंत्रालय से राजस्थान के युवक सतीश कुमार के पार्थिव शरीर को चीन से भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। चीन में सतीश कुमार की कथित तौर पर अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, भीनमाल (जालोर) के सतीश कुमार की 25 जून को चीन में अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। मैंने पहले भी दो बार पत्र लिखकर विदेश मंत्री एस जयशंकर से पार्थिव शरीर को भारत लाने में परिवार की मदद करने का निवेदन किया था परन्तु अभी तक पार्थिव शरीर को नहीं लाया जा सका है। उन्होंने लिखा, मैं जयशंकर एवं विदेश मंत्रालय से पुन: निवेदन करता हूं कि सतीश कुमार के पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाएं जिससे अंतिम संस्कार किया जा सके।

बेढम ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की तैयारियों का लिया जायजा

भरतपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सोमवार को उत्तरप्रदेश में मथुरा के गिरी गोवर्धन में 17 से 21 जुलाई तक आयोजित होने जा रहे विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला एवं परिक्रमा की तैयारियों के लिए डीग जिले में पड़ने वाले परिक्रमा मार्ग में तैयारी का जायजा लिया। बेढम ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं चाकचौबंद रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों के साथ परिक्रमा मार्ग का पैदल भ्रमण कर विभिन्न स्थानों पर प्याऊ लगाने एवं यात्रियों के ठहराव के लिए स्थान निर्धारित कर छाया आदि की व्यवस्था करने निर्देश भी दिए। इस दौरान संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला पुलिस अधीक्षक डीग राजेश मीणा, अतिरिक्त कलेक्टर डीग संतोष मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि संत सनातन की भक्ति और संस्कृति के इस अद्भुत मिलन में 21 किमी परिक्रमा मार्ग में पांच दिनों तक अटूट मानव श्रृंखला मिनी विश्व का नजारा पेश करती है।

मुलाकात

राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को राजभवन में दक्षिण पश्चिमी कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुलाकात की। जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमांड की बागडोर संभालने के बाद राज्यपाल मिश्र से उनकी यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबू लाल खराड़ी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में कहा कि सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। उन्होंने बताया कि इन छात्रावासों में सम्बन्धित वार्डनों के विरूद्ध अनियमितता किये जाने की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

इससे पहले विधायक श्रीमती कल्पना देवी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र लाडपुरा में अनुसूचित जनजाति के 2 एवं अनुसूचित जाति के 2 छात्रावास सहित कुल 4 छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा माडा क्षेत्र के अन्तर्गत मण्डाना में राजकीय बालिका आश्रम छात्रावास संचालित है। जिसकी क्षमता 50 छात्राओं की है एवं वर्तमान में 50 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

खराड़ी ने बताया कि जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा विभागीय नियमानुसार छात्रावास में आवासित छात्राओं को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नि:शुल्क आवास, पलंग, गद्दा, तकिया, खेस, दरी, कंबल, बेडशीट और तकिया कवर प्रति छात्रा, दो समय नाश्ता, दोपहर का लंच व डिनर दिया जाता है। रहवास, भोजन, कपड़े व अन्य सुविधाओं हेतु प्रत्येक छात्रानुसार 2500 रू. प्रतिमाह के हिसाब से प्रदान किए जाते हैं। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विभागीय नियमानुसार छात्रावास में आवासित छात्र-छात्राओं को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नि:शुल्क आवास के साथ-साथ प्रति आवासी बिस्तर-पलंग, गद्दा, तकिया, 1 खेस, 1 दरी, 1 कम्बल, 2 बेडशीट और 2 तकिया कवर सामग्री के रूप में एवं 2 स्कूल यूनिफार्म मय सिलाई जूते, मोजे, तोलिये व गर्म जर्सी के लिए 2660 रू. प्रति छात्र एकमुश्त डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध करवाये जाते है।

साथ ही दोनों समय का भोजन, नाश्ता, प्रत्येक सप्ताह विशेष भोजन एवं प्रतिमाह हेयर ऑयल, नहाने और कपड़े धोने का साबुन एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें, दैनिक समाचार पत्र-पत्रिकाएं की सुविधाएं उपलब्ध करवायी जा रही हैं। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री ने बताया कि इन सुविधाओं की निरन्तर समुचित उपलब्धता के निरीक्षण के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग एवं जिला परिषद द्वारा निरीक्षण किये जाते है। उन्होंने वर्ष 2022 से 2024 तक किये गये निरीक्षण का विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

झाबर सिंह के बयान पर बरसे गोविंद सिंह डोटासरा, कहा- संविधान को नहीं मानती भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में मंत्री झाबर सिंह खर्रा के तीन बच्चों वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने झाबर सिंह के बयान का जिक्र कर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में कहा था कि पीएम मोदी 400 पार सीटें इसलिए चाहते हैं कि वह संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण को खत्म कर सकें। राजस्थान के मंत्री झाबर सिंह ने अपने बयान से इस बात की पुष्टि कर दी है।

कांग्रेस नेता ने झाबर सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने साफ कर दिया है कि केंद्र या राज्य सरकार इस तरह का कानून

लाने जा रही है, जिनके तीन या उससे अधिक बच्चे होंगे। उनको सरकार की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। ये संविधान की मूल अवधारणा के खिलाफ है। अभी तक कोई कानून लाया नहीं गया है, लेकिन झाबर सिंह का ये बयान निंदनीय है। वह अपने बयान से भाजपा और आरएसएस की सोच को पेश कर रहे हैं, क्योंकि वह संविधान को मानने वाले लोग नहीं हैं। उन्होंने संविधान की बात करते हुए कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने लोगों को हर एक चीज का अधिकार दिया है। ऐसे में लोगों के अधिकारों को कैसे समाप्त कर सकते हैं।

भाजपा के लोग संविधान को नहीं मानते हैं, वे आरएसएस के संविधान में यकीन रखते हैं, इसलिए जनता ने उन्हें पूर्ण बहुमत नहीं दिया। गोविंद सिंह डोटासरा ने उपचुनाव में मिली हार को लेकर भी भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि हाल में 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे। जनता ने वहां भी भाजपा को नकार दिया है और राजस्थान में पांच सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा।

अपनी सरकार बचाने के लिए गहलोत ने अवैध फोन टैपिंग करवाई : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके तत्कालीन विशेषाधिकारी के बीच कथित बातचीत का ऑडियो क्लिप ऑनलाइन सामने आने के बाद रविवार को उन पर हमला बोला। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत पर अपनी सरकार बचाने के लिए अवैध 'फोन टैपिंग' का सहारा लेने का आरोप लगाया। गहलोत के तत्कालीन विशेषाधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा ने अप्रैल में एक संवाददाता सम्मेलन में उनके और गहलोत के बीच बातचीत की कथित कॉल रिकॉर्डिंग सुनाई थी।

उन्होंने दावा किया था कि 2020 में शेखावत और कुछ कांग्रेस नेताओं के बीच राज्य की कांग्रेस सरकार को 'गिराने' के लिए टेलीफोन पर हुई कथित बातचीत की क्लिप तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें एक पेन ड्राइव में दी थी।

शर्मा, शेखावत द्वारा दिल्ली में दर्ज अवैध तरीके से फोन टैपिंग से संबंधित मामले में आरोपी हैं। गहलोत और शर्मा के बीच कथित बातचीत की एक कॉल रिकॉर्डिंग हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आई।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने रविवार को कहा, पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार बचाने के लिए फोन टैपिंग का सहारा लिया था। उन्होंने फोन पर हुई बातचीत को रिकॉर्ड किया और इसे सार्वजनिक करने के लिए इसे पेन ड्राइव में 'सेव' कर लिया।

विधायकों के उद्बोधन के वीडियो अंश ऑनलाइन होंगे उपलब्ध : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में कहा है कि सत्र के दौरान सदन में विधायकों के उद्बोधनों के वीडियो अंश अब अगले दिन ऑनलाइन उपलब्ध कराये जायेंगे। राजस्थान विधानसभा के इतिहास में वीडियो अंश पहली बार ऑनलाइन उपलब्ध कराये जायेंगे। देवनानी की पहल पर यह व्यवस्था राजस्थान विधानसभा में पहली बार लागू हुई है।

देवनानी ने सोलहवीं विधानसभा के द्वितीय सत्र में इस नवाचार की जानकारी देते हुए सदन को अवगत कराया कि इस पहल से विधायक के साथ ही उनके क्षेत्र के लोग व प्रदेशवासी क्षेत्रीय विधायक की सदन में सक्रियता से परिचित हो सकेंगे।

उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही

की ऑनलाइन व्यवस्था है। सदन में विधायक के उद्बोधन के दौरान वीडियो अंश दिये जाने की व्यवस्था भी है। अभी तक विधायकों को उनके उदबोधनों के वीडियो अंश सत्र समाप्ति के पश्चात उपलब्ध कराये जाते थे। देवनानी ने बताया कि वर्तमान में बदलते परिवेश में डिजिटल मीडिया के महत्व को देखते हुए सदन में संबंधित विधायक के उद्बोधन के अंश अब एक दिन पश्चात उपलब्ध करवाये जायेंगे ताकि जन-जन को विधायक की सदन में सक्रियता की जानकारी मिल सकें। देवनानी ने यह निर्णय वर्तमान की आवश्यकता को देखते हुए लिया है।

देवनानी ने बताया कि विधायक को उनके द्वारा सदन में दिये जाने वाले उद्बोधनों के वीडियों अंश जो वर्तमान में सत्र की समाप्ति पर पैन ड्राइव के माध्यम से उपलब्ध कराये जाते थे, अब उन्हें राजस्थान विधानसभा की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवश्यक नियमानुकुल एडिटिंग करके एक दिवस पश्चात उपलब्ध करवाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि वीडियो अंश उपलब्ध कराये जाने वाली यह नवीन व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन: अशक्त और अक्षम बुजुर्गों से उनके घर जाकर ग्राम सेवक कराएगा भौतिक सत्यापन : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में ऐसे बुजुर्ग जिनकी हाथ की रेखाएं मिट गई हैं। उनके पास मोबाइल फोन नहीं है और जो घर से बाहर आने-जाने में अक्षम हैं। उनसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए अब ग्राम सेवक घर जाकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करवाएगा। इसके साथ ही जिन ई मित्र संचालकों की गड़बड़ी की वजह से बुजुर्गों को पेंशन मिलने में दिक्कत हुई है, उनकी जांच रिपोर्ट के साथ कार्रवाई और लाइसेंस रद्द करने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग को सिफारिश भेजी जाएगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री डॉ. अविनाश गहलोत ने सोमवार को राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक डॉ. जसवंत यादव के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। इससे पहले डॉ. यादव ने मंत्री से आग्रह किया था कि ग्रामीण इलाकों में अनेक ऐसे बुजुर्ग हैं जिनकी हाथ की रेखाएं बढती उम्र के कारण मिट गई हैं, जिससे थंब इम्प्रेशन नहीं आ पाता है। उनके पास मोबाइल फोन होते नहीं है और सरकारी अफसरों के कार्यालयों में चक्कर लगाने के लिए वे सक्षम नहीं हैं। इसलिए किसी नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो उनसे घर जाकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करवा सके। इस पर मंत्री ने माना कि पूरे प्रदेश में इस तरह की समस्या है, उनके पास भी इस तरह का फीडबैक आता है।

इससे पहले अपने जवाब में मंत्री डॉ. अविनाश गहलोत ने बताया कि बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में पिछले 3 साल के दौरान कुल 23068 वृद्ध जन सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए पात्र पाए गए हैं। इनमें से 22619 बुजुर्गों को पेंशन राशि मिल ही है। लेकिन, 449 बुजुर्ग ऐसे हैं जिनके पेंशन प्रकरण लंबित हैं। इनमें 407 प्रकरण ऐसे हैं जिनमें पेंशनरों की मृत्यु हो चुकी है। 4 लोग ऐसे हैं जिनका बैंकिंग विवरण गलत है। जबकि 17 प्रकरणों में भौतिक सत्यापन नहीं हो पाया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना में पात्र वृद्धजनों के आधारकार्ड से मोबाइल नम्बर नहीं जुड़ने तथा बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं होने के कारण योजना से वंचितों को लाभ देने के लिए सरकार द्वारा पेंशन पोर्टल पर अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसके तहत संबंधित स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के मोबाइल पर ओटीपी उपलब्ध करवाकर पेंशनर का वार्षिक भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है।

सांप्रदायिक सौहार्द्र के साथ निकले जुलूस, समुचित व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा है कि मोहर्रम पर सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं समुचित ढंग से सुनिश्चित की जाएं। जिला मुख्यालय पर निकलने वाले ताजिया जुलूस के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों और इस दौरान किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

पुलिस अधीक्षक यादव मोहर्रम को लेकर जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एडीएम उत्तम सिंह शेखावत, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया सहित अधिकारी, मोहर्रम कमेटियों से जुड़े लोग मौजूद थे।

आयोजन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चूरू का आपसी भाईचारा और सांप्रदायिक सौहाद्र हमेशा से एक मिसाल रहा है। हमारी यह कोशिश रहनी चाहिए कि चूरू की यही पहचान कायम रहे और हम लोग परस्पर मेल-मिलाप और सांप्रदायिक सौहाद्र के साथ सभी धर्मों के त्योहार मनाते रहें।

उन्होंने कहा कि इस दौरान समुचित सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे तथा चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। सुरक्षा नजरिए से ड्रोन का भी उपयोग किया जाएगा, जुलूस से पूर्व छतों का सर्वे किया जाएगा तथा सिविल डिफेंस की टीम भी तैनात की जाएगी। उन्होंने मोहर्रम कमेटी प्रतिनिधियों से कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना, आवश्यकता और सुझाव के लिए एसडीएम, डीवाईएसपी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों से तत्काल संपर्क करें। प्रशासन और पुलिस की ओर से आयोजन की सफलता के लिए समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा।

एडीएम उत्तम सिंह शेखावत ने नगर परिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, डिस्कॉम एसई वीआई परिहार सहित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्देश दिए और कहा कि जुलूस के लिए निर्धारित रूट को व्यवस्थित करें तथा सड़क, बिजली, जल, एंबुलेंस सहित सहित सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। रूट पर किसी प्रकार का कोई जर्जर भवन वगैरह हो तो उसे देख लें।

असम ने एसडीजी सूचकांक में अपनी स्थिति सुधारी : हिमंत बिश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा कि राज्य ने 2023-24 में संपोषणीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के राष्ट्रीय सूचकांक में अपनी स्थिति सुधारी है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य एसडीजी में 65 अंक पाकर 'अग्रणी' राज्यों की श्रेणी में पहुंच चुका है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी अंक 71 है।

शर्मा ने कहा, ''नीति आयोग ने रिपोर्ट प्रकाशित की है और कहा है कि असम देश में तेजी से बढ़ते राज्यों में एक है। हमारा लक्ष्य अगले दो साल में राष्ट्रीय अंक से आगे निकलना है।'' असम 2016 में एसडीजी सूचकांक में शामिल हुआ था और वह 49 अंक के साथ 'आकांक्षी' श्रेणी में था। राज्य ने अपनी रैंकिंग सुधारी और वह 2019 में 55 तथा 2020 में 57 अंक के साथ 'प्रदर्शनकारी' श्रेणी में पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले असम भारत पर एक बोझ था लेकिन अब ऐसा नहीं है। हमने गरीबी उन्मूलन, स्वच्छ जल आपूर्ति, हरित ऊर्जा, आर्थिक वृद्धि, उद्योग, नवोन्मेष, बुनियादी ढांचे और संपोषणीय शहरों (के विकास में) अच्छा प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा कि 16.5 अंक के साथ उच्च शिक्षा क्षेत्र का खराब प्रदर्शन था और इसने राज्य की स्थिति पर नकारात्मक असर डाला। शर्मा ने कहा, ''नई योजनाओं के

साथ हमें आशा है कि सकल प्रवेश अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। हमें दो वर्षों के भीतर उच्च शिक्षा में 19 अंक प्राप्त करने की उम्मीद है।'' उत्तराखंड और केरल नीति आयोग के 2023-24 एसडीजी सूचकांक में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं। आयोग सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण मापदंडों पर राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के कामकाज को परखता है। बिहार सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य रहा है।

असम के मुख्यमंत्री ने 41 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने सोमवार को 41 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले तीन वर्षों में 97,495 लोगों को नौकरी दी है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने औपचारिक रूप से उन्हें शिक्षा विभाग के नौकरी पत्र सौंपे। इन युवाओं को विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में चतुर्थ ग्रेड से लेकर कॉलेज शिक्षक तक के पदों पर नियुक्त किया गया।

उन्होंने नए भर्ती हुए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, इन नियुक्तियों के साथ हमने तीन साल पहले कार्यभार संभालने के बाद से 97,495 लोगों को नौकरी दी है। हमें उम्मीद है कि हमारे कार्यकाल के अंत तक हम लगभग 1.5 लाख नौकरियां देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अपने कार्यकाल के दौरान एक लाख नौकरियां देने का चुनावी वादा पूरा करेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2021 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान असम में हर साल एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन बाद में इसमें बदलाव करते हुए कहा कि यह आंकड़ा पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए था।

मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने कहा, 41 नए भर्ती किए गए लोगों में से कोई भी बाहरी नहीं है। वे सभी असमिया युवक हैं। जो लोग हमारी आलोचना करते हैं कि हम बाहरी लोगों की भर्ती कर रहे हैं वे नए कर्मचारियों के डीएनए की जांच कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि युवाओं की पारदर्शी तरीके से भर्ती होने के कारण वे अब उच्च शिक्षा का विकल्प चुन रहे हैं और पढ़ाई छोड़ने की दर कम हो रही है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

दोनों नेताओं में मुलाकात के दौरान क्या बात हुई, इस बारे में आधिकारिक तौर पर अभी तक कोई जानकारी दी गई है। हालांकि, सोरेन ने इसे शिष्टाचार मुलाकात करार दिया। मुलाकात की एक तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए सोरेन ने लिखा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाक़ात हुई।'' झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किए जाने से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। जेल में करीब पांच महीने बिताने के बाद उन्हें जमानत मिल गई और रिहा होने के बाद वह चार जुलाई को फिर से मुख्यमंत्री बने।

बिहार के मुसलमानों में जोर पकड़ रही 'जन सुराज' की मुहिम : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि उनका 'जन सुराज' अभियान एक शक्तिशाली राजनीतिक विकल्प के रूप में लोकप्रिय हो रहा है, खासकर बिहार के मुसलमानों के बीच यह मुहिम जोर पकड़ रही है।

रविवार को हज भवन में एक समारोह को संबोधित करते हुए 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पीएसी) के संस्थापक किशोर ने इस बात पर जोर दिया कि उनका अभियान मुस्लिम समुदाय के भीतर मजबूत पकड़ बना रहा है, जिसका उद्देश्य 2025 के विधानसभा चुनाव में एक राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरना है। इस कार्यक्रम में राज्य के पूर्व मंत्री मोनाजिर हसन और जन सुराज समर्थित एमएलसी (विधान परिषद के सदस्य) अफाक अहमद सहित प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने भाग लिया तथा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी पर अपने विचार साझा किए। राज्य में मुसलमानों के बीच सबसे पसंदीदा पार्टी माने जाने वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर कटाक्ष करते हुए किशोर ने सीधे तौर पर उनका नाम लिए बिना कहा, ''जबकि, दूसरे लोग लालटेन (राजद का चुनाव चिह्न) का आनंद ले रहे हैं, मुसलमानों को लालटेन के लिए ईंधन नहीं बनना चाहिए। उन्हें राजनीतिक बंधुआ मजदूर बनना बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय महात्मा गांधी और बी.आर. आंबेडकर के आदर्शों में विश्वास रखने वाले हिंदुओं के साथ मिलकर अपने बच्चों के भविष्य के लिए मतदान करना चाहिए।''

राज्यपाल मानहानि मामला : ममता ने कहा- मेरी टिप्पणी में कुछ भी मानहानिकारक नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को अपने इस बयान पर दृढ़ता से कायम रहीं कि महिलाओं ने कोलकाता में राजभवन में जाने को लेकर भय जताया था।

ममता ने मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अन्य नेताओं के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में एक अंतरिम आदेश के लिए राज्यपाल सी वी आनंद बोस की ओर से कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल याचिका का विरोध भी किया। बोस ने अपने वकील के माध्यम से बनर्जी, दो नवनिर्वाचित विधायकों और टीएमसी की एक अन्य नेता को राजभवन में कथित घटनाओं के संबंध में आगे कोई टिप्पणी करने से रोकने का अनुरोध किया। इस पर बनर्जी

के वकील एस एन मुखर्जी ने न्यायमूर्ति कृष्ण राव के समक्ष दलील दी कि उनकी (ममता) टिप्पणी जनहित के मुद्दों पर एक निष्पक्ष टिप्पणी थी और मानहानिकारक नहीं थी। मुख्यमंत्री के अपने बयान पर कायम रहने की बात कहते हुए मुखर्जी ने दलील दी कि उन्होंने केवल राजभवन में कुछ कथित गतिविधियों पर महिलाओं की आशंकाओं को दोहराया था। मुखर्जी ने कहा कि वह हलफनामे में उन महिलाओं के नाम बताने को तैयार हैं, जिन्होंने ऐसी आशंका जाहिर की है। अंतरिम आदेश के अनुरोध पर न्यायमूर्ति राव की अदालत में बहस पूरी हो गई और इस पर आदेश बाद में दिया जाएगा।

त्रिपुरा हिंसा : आगजनी के कारण भागे 300 ग्रामीण अब तक नहीं लौटे हैं अपने घर

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के धलाई जिले में दो गुटों के बीच झड़प में 19 वर्षीय एक युवक की मौत के बाद हुई आगजनी के कारण भागे करीब 300 ग्रामीण अबतक अपने घर नहीं लौटे हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंडाछिजा गांव में आगजनी से प्रभावित ग्रमीणों ने 12 जुलाई से ही राज्य की राजधानी अगरतला से करीब 110 किलोमीटर दूर राहत शिविरों में शरण ले रखी है। उन्होंने बताया कि धलाई जिले के जिलाधिकारी साजू वाहिद ने रविवार को प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें सुरक्षा एवं मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिलाया।

उप जिलाधिकारी (एसडीएम) चंद्रजॉय रियांग ने 'पीटीआई-भाषा' को टेलीफोन पर बताया, ''हमलावरों द्वारा कम से कम 40 घरों को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त किया गया और करीब 30 दुकानों में लूटपाट की गई। प्रभावित परिवार इस समय गंडाछिजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शरण लिए हुए हैं। 12 जुलाई की रात हुई हिंसा में चार मोटरसाइकिल को भी आग के हवाले कर दिया गया। गंडाछिजा में हालात में सुधार हुआ है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।'' उन्होंने बताया कि आगजनी से प्रभावित करीब 80 परिवारों को मुआवजा देने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में टीम स्थानीय समिति के सदस्यों से बातचीत कर रही है ताकि बाजार को दोबारा खोला जा सके। अधिकारियों के मुताबिक, सात जुलाई को स्थानीय बाजार में दो गुटों के बीच हुई झड़प के कारण ग्रामीणों पर हमला किया गया।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए नीतीश को पूरी ताकत लगा देनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विशेष राज्य के दर्जे को लेकर सिर्फ बातें करने का आरोप लगाया और कहा कि वह वर्तमान समय में इस मांग को पूरा करवाने की स्थिति में हैं और इसे लेकर उन्हें पूरी ताकत झोंक देनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर भी यही बात लागू होती है। बिहार सरकार के मंत्रियों ने रविवार को दावा किया कि नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स 2023-24 की नवीनतम रिपोर्ट ने केंद्र से अधिक वित्तीय सहायता की राज्य सरकार की मांग की पुष्टि की है। नीति आयोग ने 12 जुलाई को 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24' जारी किया। कुछ पैमानों पर स्थिति में सुधार के बावजूद इसमें बिहार सतत विकास का आकलन करने वाले 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स' में सबसे निचले पायदान पर है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बिहार के वरिष्ठ मंत्री अब बोल रहे हैं कि नीति आयोग का ताज़ा विश्लेषण, राज्य को केंद्र की तरफ़ से मिलने वाली सहायता के मामले में विशेष राज्य के दर्ज़े समेत उनकी अन्य मांग को सही ठहराता है। अन्य फ़ायदों के अलावा, इसका मुख्य रूप से यह मतलब है कि ऐसी सहायता का 70 प्रतिशत ऋण के रूप में होने के बजाय, केवल 10 प्रतिशत होगा।'' उन्होंने सवाल किया कि मीडिया में बयान देने और पार्टी की बैठकों में प्रस्ताव पारित करने के बजाय बिहार के मुख्यमंत्री इस मांग को लेकर क्या कर रहे हैं? कांग्रेस महासचिव ने केंद्र सरकार को जनता दल (यूनाइटेड) के 12 लोकसभा सदस्यों के समर्थन की अहम भूमिका का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए दावा किया, ''नीतीश कुमार ने इसे लेकर किया कुछ नहीं है। वह अब तक सिर्फ़ बातें बनाते आ रहे हैं।''

पटना में पानी भरे गड्ढे में दो बच्चे मृत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पटना में पानी भरे एक गड्ढे से सोमवार सुबह दो बच्चों के शव बरामद हुए। पुलिस ने यह जानकारी दी। दोनों बच्चों की पहचान का अबतक खुलासा नहीं किया गया है।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने बताया कि दोनों बच्चों के माता-पिता ने गर्दनीबाग पुलिस थाने में दी अपनी शिकायत में कहा है कि इन्हें आखिरी बार रविवार पूर्वाह्न 11 बजे देखा गया था। मिश्रा ने पत्रकारों से कहा, पुलिस ने बच्चों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान चलाया। आखिरकार सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे बेउर इलाके में एक निर्माणाधीन पुल के पास पानी भरे गड्ढे में दोनों बच्चों के शव मिले। घटनास्थल पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा, शुरुआती जांच के आधार पर यह डूबने का मामला प्रतीत होता है। मिश्रा ने कहा कि जिलाधिकारी को सूचित कर दिया गया है और आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया में आई उन असत्यापित खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि बच्चों के हाथ-पैर बंधे हुए थे।

प्रधानमंत्री ने तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा, रोजगार के मोर्चे पर स्थिति गंभीर: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने देश में आठ करोड़ नौकरियों के सृजन से संबंधित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने तथा ध्यान भटकाने का काम किया है, जबकि हकीकत यह है कि रोजगार के मोर्चे पर स्थिति गंभीर है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार की तरफ से जिस रोज़गार वृद्धि का दावा किया जा रहा है उसमें महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू काम को भी रोज़गार के रूप में दर्ज़ किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत शनिवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन से चार वर्ष में देश में आठ करोड़ नई नौकरियां उपलब्ध हुईं जिसने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों की बोलती बंद करा दी।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''ऐसे समय में जब भारत गंभीर रूप से 'मोदी-मेड बेरोज़गारी' संकट का सामना कर रहा है, जब हर नौकरी के लिए लाखों युवा आवेदन कर रहे हैं, तब स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने, ध्यान भटकाने और वास्तविकता से इंकार करने में लगे हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''आरबीआई के नए अनुमान के आधार पर सरकार जॉब मार्केट में तेज़ी का दावा कर रही है। स्व-नियुक्त परमात्मा के अवतार ने ख़ुद यह दावा किया है कि अर्थव्यवस्था ने आठ करोड़ नौकरियां पैदा की हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि रोज़गार के आंकड़ों में कथित वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अर्थव्यवस्था की गंभीर वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं है, जहां निजी निवेश कमज़ोर रहा है और उपभोग में वृद्धि बेहद सुस्त है। ''

रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार ने रोज़गार की गुणवत्ता और परिस्थितियों पर ध्यान दिए बिना, रोज़गार की बहुत विस्तृत परिभाषा अपनाकर, रोज़गार सृजन का दावा करने के लिए कुछ कलात्मक सांख्यिकीय बाज़ीगरी की है।

उनका कहना था, ''जो रोज़गार वृद्धि का दावा किया जा रहा है उसमें महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू काम को भी रोज़गार के रूप में दर्ज़ किया गया है। यह रोज़गार वृद्धि के दावे का एक बड़ा हिस्सा है, लेकिन इसमें कोई वेतन नहीं मिलता।''

कांग्रेस नेता के अनुसार, ख़राब आर्थिक माहौल के बीच, श्रम बाजार में वेतनभोगी, औपचारिक रोज़गार की हिस्सेदारी में कमी आई है तथा श्रमिक कम उत्पादकता वाली असंगठित और कृषि क्षेत्र की नौकरियों की ओर जा रहे हैं जो एक आर्थिक त्रासदी है।

उन्होंने कहा, ''आठ करोड़ नई नौकरी वाली सुर्खियों में नौकरियों की गुणवत्ता पर चर्चा उस तरह से नहीं हुई। लेकिन यह हास्यास्पद है कि सरकार इन कम उत्पादकता, कम वेतन वाली नौकरियों के 'सृजन' को एक उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है।''

रमेश ने दावा किया, ''आगामी बजट भी निस्संदेह अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करने के लिए आरबीआई डेटा का उपयोग करेगा। लेकिन, नौकरियों के मोर्चे पर वास्तविक हालात बेहद गंभीर है और यह बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी और कम गुणवत्ता वाले रोज़गार दोनों के कारण है। अगले मंगलवार को बजट भाषण में इस दोहरी त्रासदी को निश्चित रूप से नज़रअंदाज़ किया जाएगा।''

बरेली में युवती का रात में हुआ अपहरण, सुबह मिला उसका शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले के नवाबगंज क्षेत्र की रहने वाली युवती का रविवार रात कार सवारों ने कथित रूप से अपहरण कर लिया और सोमवार सुबह उसकी लाश सड़क किनारे खाई में भरे पानी से मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि रविवार रात को लक्ष्मी देवी (22) फुफेरी बहन के साथ स्कूटी से घर जा रही थी, तभी रास्ते में कार सवार उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गए। जिले के हाफिजगंज इलाके में युवती की हत्या कर दी गयी और सोमवार सुबह उसका शव फैजुल्लागंज लिंक रोड पर सड़क के किनारे खाई में भरे पानी से मिला। उसका गला और अंगुलियां भी कटी हुईं हैं। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ अधिकारी भी मौके पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद घटना की गहनता से छानबीन की जा रही है। परिजनों के मुताबिक, रविवार रात में उन्होंने हाफिजगंज थाने में नवाबगंज क्षेत्र के मोनू गुप्ता व अन्य के खिलाफ तहरीर दी थी।

दिव्यांगों का 'मखौल' उड़ाने पर युवराज सिंह और तीन अन्य क्रिकेटर की पुलिस से शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में कथित तौर पर दिव्यांगों का 'मखौल' उड़ाने के मामले में पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह और गुरकीरत मान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

'नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉइमन्ट फॉर डिसएबल्ड' (एनसीपीईडीपी) के अध्यक्ष अरमान अली ने अमर कॉलोनी पुलिस थाना के प्रभारी से चारों क्रिकेटरों की शिकायत की है। इसके साथ ही उन्होंने मेटा इंडिया की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संध्या देवनाथन के खिलाफ भी शिकायत की है। अली ने शिकायत में सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' का स्वामित्व रखने वाली

मेटा पर ऐसी सामग्री पोस्ट कर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अमर कॉलोनी पुलिस थाना को शिकायत मिली है और उसे जिले के साइबर प्रकोष्ठ को आगे की जांच के लिए भेजा जाएगा। विश्वकप लीजेंड फाइनल में इंडिया चैंपियंस द्वारा पाकिस्तान चैंपियंस को पांच विकेट से हराने के बाद पूर्व खिलाड़ियों ने उक्त वीडियो सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर साझा किया था।

वीडियो में युवराज सिंह, हरभजन सिंह और रैना लंगड़ाते हुए और अपनी पीठ पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे पता चलता है कि मैच के कारण उनके शरीर पर कितना शारीरिक असर पड़ा है। वीडियो के साथ शीर्षक लिखा गया है, ''बॉडी की तौबा-तौबा हो गई है 15 दिनों के लीजेंड क्रिकेट में...शरीर का हर हिस्सा टूट रहा है। हमारे भाइयों विक्की कौशल और करण औजला को हमारे तौबा-तौबा गाने के संस्करण से सीधी चुनौती। क्या गाना है।''

दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ताओं ने इस वीडियो को 'घटिया मजाक' बताया है।

शिकायत में कहा गया है कि इंस्टाग्राम अपने उपयोगकर्ता दिशानिर्देशों का पालन करने में विफल रहा, जिससे अपमानजनक सामग्री का प्रसार संभव हुआ।

अली ने शिकायत में कहा, ''यह वीडियो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का खुला उल्लंघन है, जो प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है।'' उन्होंने कहा, ''यह दिव्यांगों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 92 का भी उल्लंघन करता है, और निपुण मल्होत्रा बनाम सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (2004 एससीसी ऑनलाइन एससी 1639) के मामले में तय किए गए उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन करता है।''

उन्होंने अधिकारियों से घटना में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया तथा चर्चित हस्तियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर तब जब वे कमजोर समुदायों की गरिमा को ठेस पहुंचाते हों।

अली ने शिकायत दर्ज कराने के बाद 'पीटीआई-भाषा'से बातचीत में कहा कि इन क्रिकेटरों द्वारा सामान्य माफी मांगा जाना काफी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''उन्हें उनके कृत्यों के लिए दंडित किया जाना चाहिए।''

भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है लेकिन बदलाव धीरे-धीरे होना चाहिए : विक्रम राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निवर्तमान बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को पता है कि निकट भविष्य में बदलाव का मुश्किल दौर भारत का इंतजार कर रहा है लेकिन उपलब्ध प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ काम करने के बाद उनका मानना है कि टीम इससे निपटने में सक्षम है, बशर्ते यह 'नियंत्रित तरीके से और धीरे-धीरे' होना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा फिलहाल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे लेकिन अगले कुछ वर्षों में बदलाव का दौर आएगा जब ये अपने करियर के अंतिम चरण में होंगे।

पूर्व चयनकर्ता राठौड़ ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''रोहित और विराट की क्षमता के खिलाड़ियों की जगह लेना कभी आसान नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''हाल में (रविवार को) जिंबाब्वे के खिलाफ संपन्न शृंखला हमें संकेत देती है कि भविष्य में टी20 टीम कैसी दिखेगी। लेकिन टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उस बिंदू तक पहुंचने के लिए हमारे पास अब भी कुछ वर्ष हैं।'' राष्ट्रीय चयनकर्ता और राष्ट्रीय टीम के कोच दोनों की जिम्मेदारी निभा चुके राठौड़ भारतीय क्रिकेट टीम के प्रतिभा पूल को मजबूत मानते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इसे लेकर बहुत चिंतित नहीं हूं। हमारे पास भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है। बहुत सारे प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं जो सामने आ रहे हैं। हमें बस यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि बदलाव नियंत्रित तरीके से हो। इसे धीरे-धीरे करने की ज़रूरत है।'' राठौड़ को लगता है कि जब तक रोहित और कोहली सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे तब तक युवा सितारे अच्छी तरह से स्थापित हो जाएंगे जो अगले 10 वर्षों के लिए टीम का केंद्र बन जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि तब तक शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी खुद को स्थापित कर लेंगे और बदलाव को आसान बना देंगे।'' राठौड़ ने कहा, ''एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में भी हमारे पास श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल और हार्दिक पंड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं।''

सुविचार

समझनी है जिंदगी तो पीछे देखो, अगर जीनी है जिंदगी तो आगे देखो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर वही गलती?

दुनिया में कई देश अतीत की ग़लती दोहरा देते हैं। पाकिस्तान ऐसा विचित्र देश है, जो अपनी ग़लती को बार-बार दोहराता है। इसकी सरकार ने अपने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान की पार्टी पीटीआई को दबाने की अपनी सबसे नई कोशिश में प्रतिबंध लगाने संबंधी जो घोषणा की है, वह इस पड़ोसी देश के विभाजन की पटकथा लिख सकती है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी और नेशनल असेंबली (एनए) के पूर्व उपाध्यक्ष कासिम सूरी के खिलाफ अनुच्छेद 6 के तहत कार्रवाई करने के फैसले से पाकिस्तान में एक बड़े तबके में आक्रोश फैलेगा। यह कोई राज़ की बात नहीं है कि उक्त फैसले की योजना रावलपिंडी में बनाई गई। सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने इमरान समेत समूची पीटीआई को सबक सिखाने का मन बना लिया है। वे वही ग़लती करने जा रहे हैं, जो कभी जनरल याह्या खान ने की थी। उन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान को जेल में डालकर अवामी लीग को खत्म करने के लिए ऐसे ही कदम उठाए थे। उन पाबंदियों ने शेख मुजीबुर्रहमान का सियासी कद और बढ़ा दिया था। उनकी पार्टी खत्म होने के बजाय ज्यादा लोकप्रिय हो गई थी, क्योंकि उसे जनता से खूब सहानुभूति मिली थी। इन सबके नतीजे में लोगों का आक्रोश बुरी तरह फूटा और पाकिस्तान का विभाजन हो गया था। आज आज़ाद बांग्लादेश रावलपिंडी के शिकंजे से मुक्त होकर सांस ले रहा है। पाक सरकार का यह कदम इमरान को भी भरपूर सहानुभूति दिलाएगा। इससे उनके समर्थक जहां और एकजुट होंगे, वहीं अन्य लोगों को भी इमरान में ऐसा मसीहा नजर आएगा, जो 'लोकतंत्र को बचाने' के लिए लड़ रहा है।

हालांकि 'लोकतंत्र को बचाने' के लिए इमरान ख़ान का रिकॉर्ड कोई पाक-साफ नहीं है। वे खुद सेना के आशीर्वाद से राजनीति में आए थे। उन्हें नवाज शरीफ को 'नियंत्रित' करने के लिए सेना की ओर से आगे बढ़ाया गया था। उन्होंने लोकतंत्र के सिद्धांतों को कई बार ताक पर रखकर तानाशाहों जैसा व्यवहार किया था। इमरान जब तक प्रधानमंत्री रहे, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और शासन में कोई कमाल नहीं दिखा सके थे। 'तब्दीली' लाने के पीटीआई के वादे 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' ही साबित हुए थे। लोकप्रियता रसातल में जा चुकी थी। इसे इमरान का दुर्भाग्य या सौभाग्य, जो भी कहें, सरकार गिरने और उनके जेल जाने से लोकप्रियता जरूर बढ़ गई है। पाक सरकार का यह कदम पीटीआई को नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी बनने से रोकने की कोशिश भी है। यह घोषणा आरक्षित सीटों के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा पार्टी को राहत दिए जाने के साथ-साथ इद्दत मामले में इमरान को राहत मिलने के तुरंत बाद की गई। यानी भविष्य में और राहत मिले, उससे पहले ही 'पर कतरने' की तैयारी है! इस्लामाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सूचना मंत्री अत्ता तरार का यह कहना कि 'अगर देश को आगे बढ़ना है तो वह पीटीआई के रहते ऐसा नहीं कर सकता', अत्यंत हास्यास्पद है। तरार यह क्यों भूल रहे हैं कि पाकिस्तान के लिए तो पीएमएल-एन, पीपीपी और अन्य पार्टियों के रहते भी 'आगे बढ़ने' की कोई संभावना नहीं है? जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता रहेगा, सेना की तानाशाही चलती रहेगी, उसके आगे बढ़ने की संभावना शून्य ही है। हां, पाकिस्तान के भ्रष्ट सैन्य अधिकारी, उनके चहेते जरूर आगे बढ़ेंगे। वे यूएई, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा में आलीशान बंगले खरीदते रहेंगे। पिसेगी आम जनता, जिसके लिए अभी तो कोई राहत नहीं है।

ट्वीटर टॉक

भारतीय जनसंघ के वरिष्ठ नेता, कर्नाटक केसरी श्रद्धेय जगन्नाथ राव जोशी जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन। राष्ट्र व संगठन की सेवा के प्रति उनका समर्पण वंदनीय है। गोवा से परमिट राज समाप्त कर भारत का अभिन्न अंग बनाने हेतु उनके त्याग व संघर्ष को देश कभी भुला नहीं पाएगा।

-भजनलाल शर्मा

युवा किसी भी समाज की रीढ़ की हड्डी होती है। युवाशक्ति के देश भारत में कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है, अब भारतीय युवा रोजगार मांगेंगे नहीं, प्रदान करेंगे। अपने कौशल से देश की प्रगति में अनुकरणीय योगदान दे रहे सभी युवाओं को 'विश्व युवा कौशल दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्किल इंडिया और प्रधानमंत्री कौशल विकास जैसी योजनाओं का लाभ पाकर देश के करोड़ों युवा 'आत्मनिर्भर भारत' एवं 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' के संकल्प में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

विलास का दास

ईसा मसीह जैतून पहाड़ पर अकेले बैठे हुए थे। अचानक उनके कुछ शिष्य वहां पहुंचे। प्रश्न किया, 'समाज में अधर्म बढ़ता जा रहा है। स्वार्थ भावना पनप रही है। संसार का भविष्य क्या होगा?' ईसा मसीह ने कहा, 'वास्तव में मनुष्य स्वार्थ में अंधा होता जा रहा है। इससे एक-दूसरे पर आक्रमण करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। जगह-जगह अकाल पड़ेंगे और भूकंप आएंगे। अधर्म के पनपने से नए-नए 'मसीह' पैदा करने की होड़ भी बढ़ेगी। झूठे भविष्यवक्ता भ्रम फैलाते दिखाई देंगे। ऐसी स्थिति में तुम सबको सावधानीपूर्वक इन भ्रमों से दूर रहना चाहिए। जो अंत तक धीरज धरे रहेगा, अविचल रहेगा, वस्तुतः उसी का उद्धार होगा।' ईसा ने कहा, 'अंतिम समय में कठिन दिन आएंगे। मनुष्य स्वार्थी, लालची, डींगें हांकने वाला और अभिमानी बन जाएगा। वह असंयमी, विश्वासघाती और कृतघ्न बन जाएगा। परमेश्वर से प्रेम करना छोड़कर सुख-विलास का दास बन जाएगा। इसलिए ऐसे लोगों से दूर रहना।

सामयिक

हिंसा के लिए जनता को उकसाना कहां तक उचित ?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका में सर्वोच्च पद पर बैठे लोगों को निशाना बनाकर राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। अब तक चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों की हत्या हो चुकी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जब पेंसिलवेनिया में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी कम से कम पांच राउंड गोलियां चलीं। भीड़ के शोर के बीच ट्रंप अपना दाहिना कान ढंकते हुए जमीन पर लेट गए। फिर कुछ मिनट बाद सुरक्षाकर्मियों की घेराबंदी में ट्रंप खड़े हुए तो उनके दाहिने गाल पर खून की धार बहती दिख रही थी। ट्रंप खुशकिस्मत हैं जो बच गए।लोकतांत्रिक देश अमेरिका की तरह ही भारत में भी राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है। भारत ने भी समय-समय पर राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए अनेक श्रेष्ठ, योग्य और अनुभवी लोगों को खोया है। भारत को स्वाधीन हुए अभी छह महीने भी पूरे नहीं हुए थे कि महात्मा गांधी की हत्या ने दुनिया को हिला दिया था।

इस एक हत्या के बाद जैसे भारत में भूचाल आ गया, उसके बाद कई लोग राजनीतिक रूप से शिकार बनाए गए। जिसकी की सूची बहुत लम्बी है। फिर भारत जब पाकिस्तान को युद्ध के मैदान में करारी शिकस्त देकर दुनिया के सामने अपनी ताकत का लोहा मनवा रहा था, तभी वह घटना घटी जिसने एक बार संपूर्ण देश में शोक की लहर दौड़ा दी थी। दरअसल, पाकिस्तान सेना ने भारत के चंबा सेक्टर पर हमला बोला, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भारतीय सेना को पंजाब से मोर्चा खोलने का आदेश दे दिया। परिणाम यह हुआ कि भारतीय सेना ने सितंबर 1965 में लौहार तक के क्षेत्र को अपने आधीन कर लिया था, ऐसे में पाकिस्तान यूनाइटेड नेशंस के पास गुहार लगाने पहुंचा, जिसके बाद 23 सितंबर 1965 को यूएन के हस्तक्षेप के परिणाम स्वरूप भारत ने युद्धविराम की घोषणा कर दी थी और यहीं से एक नई कहानी ताशकंद की शुरुआत होती है। सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री एलेक्सेई कोजिगिन ने दोनों देशों के बीच समझौते की पेशकश की थी। उन्हीं के कहने पर 10 जनवरी 1966 का दिन ताशकंद में समझौते के लिए तय किया गया और इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 11 जनवरी की रात में रहस्यमयी परिस्थितियों में निधन हो गया। उजबेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में हुई उनकी मौत को लेकर कहा जाता है कि हार्ट अटैक से नहीं उन्हें जहर दिया गया था। उनकी मौत का रहस्य अभी भी बना हुआ है। किंतु शास्त्री की मौत ने भारत को अंदर तक हिला दिया था।

इस मौत के बाद वस्तुत: स्वाधीन भारत में हुई राजनीतिक हत्याओं में तीसरा सबसे बड़ा नाम इंदिरा गांधी का है। उन्होंने पंजाब में आतंकवाद खत्म करने के लिए ऑपरेशन ब्लूस्टार चलाया, जिसमें कि आतंक का नेतृत्व कर रहा भिंडरावाला मारा गया, लेकिन उसकी परिणति यह रही कि इंदिरा प्रियदर्शनी गांधी, भारत की तीसरी प्रधानमंत्री को 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री निवास में उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां से छलनी कर दिया। इसके बाद देश के प्रधानमंत्री बने राजीव गांधी भी हत्या के शिकार हुए, उनकी हत्या के पीछे लिट्टे का हाथ होना सामने आया । इन अहम हत्याओं के साथ ही देश में कई चर्चित राजनीतिक हत्याएं होना समय-समय पर सामने आता रहा है, किंतु बात यहां जो शुरू हुई है, ट्रंप पर हुए हमले के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कनेक्शन की, तो इस बात की गंभीरता ऊपर वर्णित राजनीतिक हत्याओं और उसके लिए उकसानेवाले कारणों में खोजा जाना वर्तमान में अति आवश्यक हो गया है। वस्तुत: यह खोज हर उस स्तर पर आवश्यक है आखिर कैसे देश के सर्वोच्च पद पर बैठे किसी व्यक्ति की सुरक्षा में चूक की जा सकती है। सभी को वह दृश्य याद आता है, जिसके कि फुटेज तक मीडिया ने दिखाए कि किस तरह से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा को पंजाब में हल्के में लिया गया था । आखिर क्यों राहुल गांधी जो स्वयं आज एक जिम्मेदार पद पर बैठे हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आम जनता को हिंसा करने के लिए बार-बार उकसा रहे हैं।

ऐसे में उनसे यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि यदि कोई अनहोनी होती है, तो क्या वे इसकी जिम्मेदारी स्वयं लेंगे? वस्तुत: भारतीय जनता पार्टी के सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्रंप पर हमले की गांधी द्वारा निंदा किए जाने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए आज सभी का ध्यान इस ओर दिलाया है, यह अच्छी बात है कि मालवीय ने इस मामले में सभी को पहले से ही आगाह किया है, यहां इनके कहे शब्दों की गंभीरता अब हम सभी को समझनी होगी। उन्होंने कहा, तीसरी बार फेल हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हिंसा को अक्सर प्रोत्साहित किया है और उन्हें जायज ठहराया है। भारत कैसे भूल सकता है कि कांग्रेस के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने जानबूझकर प्रधानमंत्री की सुरक्षा से समझौता किया था, जब उनका काफिला एक फ्लाईओवर पर फंसा हुआ था।

अमित मालवीय ने राहुल गांधी के पूर्व के कुछ बयानों को जोड़कर तैयार किए गए एक वीडियो को साझा करते हुए यह भी बताया है कि राहुल गांधी ने मोदी के खिलाफ 'तानाशाह' जैसी बयानबाजी की है और ट्रंप के आलोचक डेमोक्रेट नेता और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी यही करते हैं। यानी कि जब नेता आम जनता को हिंसा के लिए उकसाते हैं, तो उसकी परिणति इसी प्रकार ट्रंप पर हुए हमले के रूप में होती है या भारत समेत दुनिया के किसी भी हिस्से में हुई राजनीतिक हत्या और हिंसा के रूप में सामने आती है। अमेरिका में भी आज यही सामने आ रहा है कि हत्या के प्रयास के बाद ट्रंप के कई समर्थकों ने यह महसूस किया है और वे यह खुलकर बोल भी रहे हैं कि उन (ट्रंप) के प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उन्हें (ट्रम्प को) बदनाम किए जाने से उनके खिलाफ नफरत का माहौल पैदा हो गया है और यह नफरती माहौल पैदा किया जा रहा है, जिसका कि परिणाम गोलीबारी के रूप में अभी सब के सामने आया है। ट्रंप के विरोधियों (आलोचकों) ने तर्क दिया है कि लोकतंत्र (ट्रंप की वजह से) खतरे में है। यही भारत में आज प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ होता हुआ दिखाई देता है, यहां भी विपक्ष मोदी के खिलाफ 'संविधान खतरे में है' का नारा लगाकर एक झूठा नैरेटिव गढ़ने में लगा है। जिसके कि राहुल गांधी अगुवा हैं।

अमित मालवीय के शब्दों में कहें तो अमेरिका में नस्ल की तरह जाति को भारतीय समाज में दरार पैदा करने के लिए हथियार बनाया गया। विरोधियों को खलनायक की तरह पेश करना और उन्हें तानाशाह कहना भी संयोग नहीं है। वास्तव में, खतरनाक विचार वालों की टोली ने पहली बार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए विश्व के शक्तिशाली नेताओं का वर्णन करने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया, जिन्हें वह नियंत्रित करने में विफल रहे (राजनीतिक रूप से)। राहुल गांधी ने भारत के चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप की मांग की थी।

इसी प्रकार की अनेक झूठी बातें प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इंडी गठबंधन ने गढ़ी हैं। कहना होगा कि वर्तमान की वास्तविकता यही है कि भारतीय लोकतंत्र वैश्विक वाम दलों के हमले से बच गया और मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए वापस आ गए, लेकिन चिंताएं अभी कम नहीं हुई हैं। आज राहुल गांधी जिस तरह से देश की जनता को झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं और उनकी देखादेखी अन्य नेता भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर देश भर में भ्रम, झूठ और नफरत का माहौल खड़ा कर रहे हैं, यदि भविष्य में कुछ अनहोनी अमेरिका की तरह होती है तो उसके लिए आखिर जिम्मेदार किसे माना जाएगा? अब सोचना यह है कि आखिर राहुल गांधी की नफरत भरी राजनीति देश को किस ओर ले जा रही है? क्या ये नकारात्मकता देश के लिए सही है? (साभार हि.स.)

नजरिया

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

प्रह्लाद सबनानी

> **भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, वृक्षों को, धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है।**

भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा।

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं,लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, वृक्षों को, धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों न भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं,जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया।

भारत की आजादी की लड़ाई तो सफलतापूर्वक लड़ी गई परंतु एक दुष्परिणाम भारत विभाजन के रूप में भी सामने आया,जिसमे लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ। आजादी के 70 वर्ष में भारत की वह आर्थिक उन्नति नहीं हो पाई जैसी कि अपेक्षा की गई थी। वर्ष 2014 में केंद्र में एक मजबूत सरकार ने शासन को संभाला। कठोर आर्थिक निर्णय लिए। जनता का भी उन्हें साथ मिला तथा लगभग 10 वर्ष के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गई। वर्तमान सरकार के समक्ष बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं और आज भारत, बहुत सी विदेशी ताकतों एवं उनके षड्यंत्रों के साथ जूझ रहा है। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जो संकल्प लेकर भारतीय परम्पराओं के अनुरूप सरकार काम कर रही है, उसमें भारत की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह इस अर्थव्यवस्था की ताकत है कि कोरोना खंडकाल में भारत ने अपने 80 करोड़ गरीब लोगों को निशुल्क अन्न उपलब्ध कराया तथा कोरोना की वैक्सीन भी समस्त नागरिकों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई। भारत अब न सिर्फ सड़क निर्माण के क्षेत्र में बड़ा काम कर रहा है, अपितु वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। साफ सफाई, गरीबों के लिए मकान, गरीबों के लिए शौचालय जैसे छोटे-छोटे विषय भी सरकार की प्राथमिकता में हैं। सरकार किसानों का ध्यान रख रही है, किसानों को समृद्ध बना रही है और उद्योगों को भी नई दिशा प्रदान कर रही है, नए संसाधन प्रदान कर रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत है कि जब विश्व के अन्य देशों में मंदी की स्थिति बन रही है और वहां की अर्थव्यवस्था नीचे की ओर जा रही है तब भारत की अर्थव्यवस्था दिन-देश में कुटीर एवं लघु उद्योग के गौरवशाली दिन वापिस लाने हेतु निरंतर कई प्रयास किए जा रहे हैं। भारत का योग सारे विश्व के लिए मार्गदर्शक हो गया है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के साथ अन्य राष्ट्र भी उन्नति करते जा रहे हैं। भारतीय नागरिक विदेशों में जाकर झंडे गाड़ रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रवासी भारतीय कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीयों का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में प्रवासी भारतीय भी अपना योगदान कर रहे हैं। विश्व के कई देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की बढ़ती संख्या एवं भारतीय सनातन दर्शन का प्रसार विदेशों में हो रहा है। भारत की तरह वहां पर भी मंदिरों का निर्माण हो रहा है। भारत की साधना पद्धति वहां स्वीकार की जाने लगी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्घाटन

संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित वर्ल्ड हेरिटेज यंग प्रोफेशनल्स फोरम 2024 के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए।

पाकिस्तान में सैन्य प्रतिष्ठान के पास दो समन्वित आत्मघाती हमलों में आठ नागरिक घायल

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में एक सैन्य प्रतिष्ठान की बाहरी दीवार के पास सोमवार तड़के एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को धमाका कर उड़ा दिया। साथ ही उसके एक साथी ने अपनी जैकेट में विस्फोट कर दिया, जिससे आठ नागरिक घायल हो गए और आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ताहिर खान ने बताया कि हमलावरों ने बन्नू शहर स्थित सेना के कार्यालय और सुरक्षाबलों के आवास में घुसने के प्रयास में यह हमला किया था, हालांकि सुरक्षाबलों ने इस 'समन्वित हमले' में तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावरों के प्रयास को विफल कर दिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके में तलाश-अभियान शुरू कर दिया है और हेलीकॉप्टर के जरिए इलाके में निगरानी की जा रही है।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में कई जवान भी घायल हुए हैं। सरकार या सेना ने इस हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। बन्नू अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्तवा प्रांत में है और हाल के वर्षों में इस प्रांत में आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है। जनवरी 2023 में एक आत्मघाती हमलावर ने पुलिसकर्मी के वेश में उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर की एक मस्जिद पर हमला किया था, जिसमें 101 लोग मारे गए थे। मृतकों में ज्यादातर पुलिस अधिकारी थे। अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदेह है कि पाकिस्तानी तालिबान इस हमले के लिए जिम्मेदार है।

'संभावित गृहयुद्ध से एक इंच दूर' ट्रम्प पर असफल हमला अमेरिकी लोकतंत्र बाल-बाल बचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोस्टन। पेंसिल्वेनिया में एक रैली में डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या के प्रयास के साथ, अमेरिका ने अपनी तेजी से ध्रुवीकृत राजनीति में एक और हिंसक घटना का अनुभव किया। पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, जो औपचारिक रूप से 2024 के चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए जीओपी के उम्मीदवार बनने वाले हैं, हत्या के प्रयास में बच गए, जब प्रारंभिक खबरों में कहा गया, एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई।

कन्वरसेशन की राजनीतिक संपादक, नाओमी शालिट ने कार्यक्रम के बाद मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, लोवेल के विद्वान एरी पेर्लिगर से बात की। पेर्लिगर ने राजनीतिक हिंसा और हत्याओं के अपने अध्ययन से अंतर्दृष्टि प्रदान की। अमेरिका में गंभीर राजनीतिक ध्रुवीकरण को देखते हुए, पेर्लिगर ने कहा, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि अंततः लोग हिंसा में शामिल हो जाते हैं।

शालिट: जब आपने समाचार सुना, तो सबसे पहले आपने क्या सोचा?

पेर्लिगर: पहली बात जो मेरे जहन में आई, वो यह थी कि हम दरअसल एक संभावित गृह युद्ध से सिर्फ एक इंच दूर थे। मुझे लगता है कि अगर, वास्तव में, डोनाल्ड ट्रम्प को आज घातक चोट लगी होतीं, तो हमने अब तक जितनी हिंसा देखी है, वह अगले कुछ महीनों में होने वाली घटनाओं की तुलना में कुछ भी नहीं होता। मुझे लगता है कि इससे क्रोध, हताशा, आक्रोश, शत्रुता का एक नया स्तर सामने आता जो हमने अमेरिका में कई वर्षों से नहीं देखा है। यह हत्या का प्रयास, कम से कम इस प्रारंभिक चरण में, कई ट्रम्प समर्थकों और धुर दक्षिणपंथ के कई लोगों के बीच एक मजबूत भावना को मान्य कर सकता है कि उन्हें अवैध ठहराया जा रहा है, कि वे बचाव की मुद्रा में हैं और ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने से और ट्रम्प को व्हाइट हाउस लौटने से रोका जा सके।

राजनीतिक हत्या के प्रयासों का उद्देश्य केवल किसी की हत्या करना नहीं है। उनका लक्ष्य बड़ा है, है ना?

कई मायनों में, हत्या के प्रयास राजनीतिक विरोधियों को नीचा दिखाने और हराने की लंबी प्रक्रिया को दरकिनार कर देते हैं, जब ऐसी भावना होती है कि एक लंबा राजनीतिक संघर्ष भी पर्याप्त नहीं होगा। कई अपराधी हत्याओं को एक उपकरण के रूप में देखते हैं जो उन्हें अपने राजनीतिक उद्देश्यों को बहुत जल्दी, बहुत प्रभावी तरीके से प्राप्त करने की अनुमति देगा जिसके लिए बहुत सारे संसाधनों या बहुत सारे संगठन की आवश्यकता नहीं होती है। अगर हम इसे आज जो देखा है उससे जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि कई लोग ट्रम्प को एक यूनिकॉर्न के रूप में देखते हैं, एक अद्वितीय इकाई के रूप में, जिसने कई मायनों में वास्तव में पूरे रूढ़िवादी आंदोलन को निगल लिया। इसलिए उसे हटाकर, यह समझ में आता है कि इससे समस्या का समाधान हो जाएगा या हो सकता है।

मुझे लगता है कि रूढ़िवादी आंदोलन 2016 के बाद से नाटकीय रूप से बदल गया है, जब ट्रम्प पहली बार चुने गए थे, और ट्रम्पवाद की कई विशेषताएं वास्तव में अब रूढ़िवादी आंदोलन के विभिन्न हिस्सों में काफी लोकप्रिय हैं। इसलिए भले ही ट्रम्प किसी बिंदु पर सेवानिवृत्त होने का फैसला करेंगे, मुझे नहीं लगता कि ट्रम्पवाद – लोकलुभावन विचारों के एक सेट के रूप में – जीओपी से गायब हो जाएगा। लेकिन मैं निश्चित रूप से समझ सकता हूं कि जो लोग इसे खतरे के रूप में देखते हैं उन्हें ऐसा क्यों लगेगा कि ट्रम्प को हटाने से सभी समस्याएं हल हो सकती हैं। राजनीतिक हत्या के कारणों और प्रभावों के एक अध्ययन में, आपने लिखा है कि जब तक चुनावी प्रक्रियाएँ सबसे तीव्र राजनीतिक शिकायतों को संबोधित नहीं कर सकतीं... तब तक चुनावी प्रतिस्पर्धा राजनीतिक हस्तियों की हत्याओं सहित और अधिक हिंसा भड़काने की क्षमता रखती है। क्या आपने हत्या के इस प्रयास में यही देखा? यदि विभिन्न दल, विभिन्न आंदोलन, कुछ मुद्दों पर एक साथ काम करने के इच्छुक नहीं हैं तो लोकतंत्र काम नहीं कर सकता। लोकतंत्र तब काम करता है जब कई समूह बातचीत के माध्यम से किसी प्रकार की आम सहमति तक पहुंचने, सहयोग करने और सहयोग करने के इच्छुक होते हैं।

प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप 'बड़े महासागरीय देश' हैं :जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत प्रशांत द्वीप समूह के विकास के प्रयासों का समर्थन करना अपनी जिम्मेदारी मानता है।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि प्रशांत क्षेत्र के द्वीप ''छोटे द्वीप'' नहीं हैं, बल्कि ''बड़े महासागरीय देश'' हैं और भारत को उनका भागीदार बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, ''हम सतत विकास की तलाश में प्रशांत द्वीप समूह का समर्थन करना अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं, गरीबी उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवा आम चुनौतियां हैं जिनसे हमें मिलकर निपटने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत अपने हिंद-प्रशांत साझेदारों के साथ और अधिक काम करने के लिए हमेशा तैयार हैं।'' जयशंकर ने डिजिटल माध्यम से हुए एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। इस कार्यक्रम में भारत ने मार्शल द्वीप में चार सामुदायिक विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि इन परियोजनाओं में ऐलुक एटोल में एक सामुदायिक खेल केंद्र, मेजित द्वीप पर हवाई अड्डा टर्मिनल, अर्नो और वोटजे एटोल में सामुदायिक केंद्र शामिल हैं। ये निश्चित रूप से मार्शल द्वीप के लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे।''

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और मार्शल द्वीप गणराज्य के बीच मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का एक लंबा इतिहास है, जिसका पिछले कुछ वर्षों में भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (एफआईपीआईसी) के तत्वाधान में विस्तार हुआ है।

एफआईपीआईसी भारत और प्रशांत द्वीप देशों के बीच सहयोग के लिए एकजयशंकर ने तीसरे एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रशांत द्वीप समूह के लिए भारत की ''ठोस'' प्रतिबद्धताओं की घोषणा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें हासिल करने की दिशा में प्रगति देखकर खुश हूं। हम मार्शल द्वीप गणराज्य के लिए विलवणीकरण (पानी से नमक और अन्य खनिजों को अलग करने वाली) इकाइयों और डायलिसिस मशीनों के संबंध में प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं।''

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत प्रशांत द्वीप देशों की प्राथमिकताओं और जरूरतों को पहचानता है। उन्होंने कहा, ''स्वास्थ्य देखभाल और संबंधित बुनियादी ढांचे, गुणवत्ता और सस्ती दवाएं, अच्छी जीवन शैली, उत्कृष्टता केंद्र, शिक्षा और क्षमता निर्माण, लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र का विकास, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ जल सुविधाएं – ये सभी हमारे सहयोग के कुछ मुख्य क्षेत्र हैं।''

'स्त्री-2' का ट्रेलर सिनेमाघरों में रिलीज होगा

मुंबई/एजेन्सी

हॉरर-कॉमेडी सीक्वल स्त्री 2 का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार इस गुरुवार, 18 जुलाई को रिलीज़ हो रहा है। इस फ़िल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी की वापसी हो रही है। यह खबर एक अतिरिक्त सौगात के साथ आई है – ट्रेलर विक्की कौशल, त्रिपती डिमरी और एमी विर्क की आगामी फ़िल्म बैड न्यूज़ से जोड़ा जाएगा, जो जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। 2018 की फ़िल्म स्त्री ने दर्शकों को चौंका दिया, जिसमें डर और हास्य का एक शानदार मिश्रण था। एक छोटे से शहर में सेट की गई इस फ़िल्म में एक प्रतिशोधी आत्मा का वास है जिसे सिर्फ़ स्त्री के नाम से जाना जाता है, इस फ़िल्म में श्रद्धा कपूर ने स्त्री नाम की एक दर्जी की भूमिका निभाई थी जो शहर के खौफनाक रहस्य को उजागर करती है। राजकुमार राव ने उसके प्रेमी की भूमिका निभाई, जो रहस्य में फंस जाता है, जबकि पंकज त्रिपाठी ने स्थानीय भविष्यवक्ता की भूमिका में यादगार अभिनय किया। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म स्लीपर हिट साबित हुई, जिसने अपनी अनूठी शैलियों के मिश्रण से दर्शकों को आकर्षित किया।

प्रशंसकों की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए, स्त्री 2 का टीज़र जून 2024 में रिलीज़ किया गया था। इसमें मूल पात्रों को एक और डरावने साहसिक कार्य पर निकलते हुए दिखाया गया था, जो चंदेरी शहर को राक्षसी घटनाओं की एक नई लहर से बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। इस बार चंदेरी में आज़ादी के दिन होंगे आतंक! टैगलाइन के साथ, टीज़र एक रोमांचक अनुभव का वादा करता है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, ऐसी अफवाहें हैं कि स्त्री 2 में अक्षय कुमार कैमियो करते हुए नज़र आएंगे। दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित, यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। हालांकि, इसे जॉन अब्राहम की वेदा और अक्षय कुमार की अपनी फिल्म खेल खेल में से कड़ी टक्कर मिल रही है। इस बीच, आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित, बैड न्यूज़ एक अनोखे ट्विस्ट के साथ एक मज़ेदार रोमांटिक कॉमेडी होने का वादा करती है। हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर में फिल्म की अनोखी कहानी पेश की गई है: डिमरी के किरदार को पता चलता है कि वह जुड़वा बच्चों की माँ बनने वाली है, जिसमें कौशल और एमी विर्क अप्रत्याशित पिता की भूमिका निभा रहे हैं।

रवि तेजा के साथ काम करेंगी उर्वशी रौतेला

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री उर्वशी रौतेला, दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि तेजा के साथ फिल्म 'प्रजाला मनीषी' में काम करती नजर आ सकती हैं। 'प्रजाला मनीषी' एक हाई-वोल्टेज मास एक्शन एंटरटेनर फिल्म होगी।प्रोडक्शन हाउस, पीपल मीडिया फैक्ट्री, इस प्रोजेक्ट का निर्माण करेगा। यह फिल्म एक दमदार मास एंटरटेनर होगी। इस फिल्म में रवि तेजा ,उर्वशी रौतेला और डिंपल हयाती मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म प्रजाला मनीषी को बहुत बड़े बजट में बनाया जाएगा। रवि तेजा, हरीश शंकर की 'मिस्टर बच्चन' और भानु भोगवरपु द्वारा निर्देशित 'अपनी अनाम' 75वीं फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। वे इस साल इन दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके बाद अगले साल फिल्म 'प्रजाला मनीषी' की शूटिंग शुरू होगी।

मैं एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी हर तरह की भूमिकाएं करना चाहूंगी : तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 2017 में 'पोस्टर बॉयज' से डेब्यू करने वाली नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी जल्द ही अपकमिंग फिल्म 'बैड न्यूज' में नजर आने वाली हैं। अब तक ड्रामा फिल्में करने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें शुरू से ही कॉमेडी रोल मुश्किल लगते थे, लेकिन उनका मानना है कि एक कलाकार के तौर पर भूमिकाओं में विविधता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा, मैंने हमेशा से ही ड्रामा फिल्मों में काम किया है, लेकिन मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर अलग-अलग चीजें करते रहना और खुद को चुनौती देते रहना बहुत जरूरी है। मुझे कॉमेडी शुरू से ही थोड़ी मुश्किल लगती है। 'लैला मजनू' की एक्ट्रेस ने कहा, इसलिए, एक तरह से, यह मेरे लिए वाकई अच्छा रहा। एक्ट्रेस ने 2018 में 'लव पर स्क्वायर फुट' से निर्देशन की शुरुआत करने वाले निर्देशक आनंद तिवारी का शुक्रिया अदा किया एक्ट्रेस ने कहा, मैं आनंद सर को दिल से शुक्रिया कहना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। शायद आपने मुझे पहले उस स्तर की कॉमेडी करते हुए नहीं देखा होगा।

मेरे महबूब मेरे सनम में विक्की कौशल के साथ तृप्ती की शानदार केमिस्ट्री

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म बैड न्यूज के गाना मेरे महबूब मेरे सनम में विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ त्रिप्ती डिमरी की शानदार केमिस्ट्री नजर आ रकी है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। 'एनिमल' के बाद विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ 'बैड न्यूज़' में उन्हें वापस स्क्रीन पर देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। फिल्म के पिछले दो गानों तौबा तौबा और जानम में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, मेरे मेहबूब मेरे सनम' गाने में तृप्ति डिमरी बॉलीवुड हीरोइन की तरह दिख रही हैं।इस गाने में त्रिप्ती की खूबसूरती ने सभी को खुश कर दिया है। चाहे वह नीली गाउन में हो, लाल गुजराती कपड़ों में हो, समुद्र किनारे के कपड़ों में हो, या शेफ की ड्रेस में, त्रिप्ती हर रूप में बहुत सुंदर लग रही हैं। विक्की कौशल के साथ उनकी जोड़ी काफी हॉट दिख रही है, वहीं एमी विर्क के साथ उनकी जोड़ी बहुत प्यारी है। विक्की कौशल और त्रिप्ती डिमरी की फिल्म बैड न्यूज़ का तीसरा गाना, मेरे मेहबूब मेरे सनम, फिल्म डुप्लिकेट के मशहूर गाने का नया संस्करण है। त्रिप्ती की आने वाली फिल्मों में विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो और भूल भुलैया 3 शामिल हैं।

'कल्कि' की कमाई 1000 करोड़ पर नाग अश्विन की प्रतिक्रिया, हमने इसे खून, हिंसा, अश्लीलता के बिना हासिल किया

मुंबई/एजेन्सी

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 -ऊ ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है! फिल्म ने आधिकारिक तौर पर दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जिससे यह मेगा-हिट के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। इस रोमांचक खबर के बाद, निर्देशक नाग अश्विन ने सोशल मीडिया पर दिल से आभार व्यक्त किया।

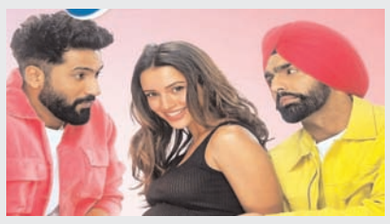

उनकी पोस्ट, जिसे बाद में हटा दिया गया, ने टीम के रचनात्मक दृष्टिकोण को उजागर करते हुए फिल्म की सफलता का जश्न मनाया। यह मील का पत्थर...यह संख्या...हमारे जैसी युवा टीम के लिए स्पष्ट रूप से बहुत बड़ी है... अश्विन ने लिखा, लेकिन यह तथ्य कि हमने इसे खून-खराबे, हिंसा, अश्लीलता, उत्तेजक या शोषणकारी सामग्री के बिना हासिल किया, बहुत मायने रखता है... जबकि अश्विन के संदेश का उद्देश्य निस्संदेह कल्कि 2898 ई. की अनूठी कहानी पर जोर देना था, कुछ नेटिज़ेंस ने उनके शब्दों को एक अन्य आगामी परियोजना – संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म, एनिमल पर एक सूक्ष्म कटाक्ष के रूप में व्याख्या किया।

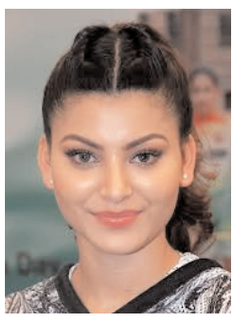

इसने ऑनलाइन चर्चा को जन्म दिया, कुछ दर्शकों ने सुझाव दिया कि अश्विन की पोस्ट दो फिल्मों के बीच एक छिपी हुई तुलना थी। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, Kalki28989ḌD के निर्देशक नाग अश्विन ने संदीप रेड्डी वंगा की एनिमल फिल्म पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया, देखते हैं कि वंगा इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कल्कि 2898 -ऊ की स्टार पावर की ओर इशारा करते हुए कहा, बजट एनिमल से 4 गुना ज़्यादा है और इसमें अमिताभ, कमल हसन, दीपिका पादुकोण, दुलकर सलमान आदि जैसे कलाकार हैं और खुद की तुलना वंगा से कर रहे हैं जिन्होंने सिर्फ़ संगीत और स्क्रीनप्ले और रणबीर कपूर के साथ ब्लॉकबस्टर फ़िल्म बनाई। परसरीहुळप7 शपर्वीज्ञी रूर ऊेरिीळीप (आप तुलना क्यों कर रहे हैं) यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हटाए गए पोस्ट को अक्सर गलत तरीके से समझा जा सकता है, और अश्विन के मूल संदेश का उद्देश्य प्रतिद्वंद्विता पैदा करना नहीं हो सकता है। कल्कि 2898 -ऊ में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर, दुलकर सलमान, विजय देवरकोंडा, एस.एस. राजामौली और राम गोपाल वर्मा के रोमांचक कैमियो भी हैं।

शुभावी चोकसी ने 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' में अपने किरदार का किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

'दिल को तुमसे प्यार हुआ' में एक्ट्रेस शुभावी चोकसी खास किरदार में नजर आएंगी। वह चिराग की मां लावण्या मित्तल की भूमिका निभाएंगी। एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। शुभावी ने कहा, मेरा किरदार लावण्या एक अलग जगह से है, जहां वह अपने किरदार के अनुभवों के चलते बाहरी दिखावे को महत्व देती है। मैं शो की लावण्या के बिल्कुल अलग हूं।'' उन्होंने कहा, हमारे कलाकार, क्रू और क्रिएटिव टीम शो 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

'दिल को तुमसे प्यार हुआ' में अदिति त्रिपाठी (दीपिका) और अक्षित सुखिजा (चिराग) मुख्य भूमिकाओं में हैं। राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो दीपिका और चिराग की कहानी है, जो अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, लेकिन उनकी सोच और जिंदगी को देखने का नजरिया एक जैसा है। प्रोमो में अदिति त्रिपाठी (दीपिका), अक्षित सुखिजा (चिराग) और उर्वशी परदेशी (जाह्नवी) को दिखाया गया है। दीपिका की सौतेली मां और सौतेली बहन उसके साथ बुरा बर्ताव करती हैं। इस बीच उसकी मुलाकात एक रक्तदान शिविर में चिराग से होती है, जो पेशे से डॉक्टर है।

रक्तदान शिविर में दीपिका की दयालुता को देख चिराग उसे पसंद करने लगता है। बाद में चिराग का परिवार जान्हवी के लिए शादी का प्रस्ताव लेकर उनके घर जाता है,

जहां चिराग जान्हवी के बजाय दीपिका से शादी करने की बात कहता है, जिसे सुन सभी हैरान रह जाते हैं। 'दिल को तुमसे प्यार हुआ' स्टार प्लस पर 15 जुलाई से शाम 7 बजे प्रसारित होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो शुभावी को 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'जस्सी जैसी कोई नहीं', 'कहानी घर घर की', 'कसौटी जिंदगी की', 'बड़े अच्छे लगते हैं 2', 'तुझ संग प्रीत लगाई' और अन्य शो में उनके काम के लिए जाना जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 16-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

प्रथम अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान से सम्मानित मूर्धन्य कवि मदन कश्यप ने बीते रविवार को 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि हिंदी कविता आज दो तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है।

चातुर्मास का समय धर्म आराधना व स्वाध्याय कर कल्याण का समय है : साध्वीश्री सुधाकंवर

विजयनगर स्थानक में जुलूस के साथ हुआ साध्वियों का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को श्रमण संघीय साध्वीश्री यशकंवरजी की शिष्या साध्वीश्री सुधाकंवरजी आदि ठाणा का चातुर्मास प्रवेश शोभायात्रा के साथ हुआ। सुबह 9 बजे आनन्द, अजय, अरुण नाहर के निवास स्थान से जयकारों के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई और विजयनगर स्थानक भवन में मंगल प्रवेश किया। शोभायात्रा में विजयनगर युवा संघ के अध्यक्ष शंकरलाल दक एवं मंत्री महावीर गुगलिया के नेतृत्व में विजयनगर विहार सेवा के सदस्यों, एसएमएस विहार सेवा, जैन कान्फ्रेंस विहार सेवा, महिला मंडल, बहु मंडल व कन्या मंडल के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

स्थानक भवन में कन्या मंडल की बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण तथा महिला व बहु मंडल ने स्वागत गीत गाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने समस्त साध्वी मंडल का स्वागत करते हुए विजयनगर में चातुर्मास प्रदान करने के लिए साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। चातुर्मास प्रवेश के मौके पर साध्वीश्री सुयशाश्रीजी ने चातुर्मास का महत्व समझाते हुए आराधना करने के तरीकों व लाभ को बताया। साध्वीश्री सुधाकंवरजी ने कहा कि कई संघों के निवेदन के बावजूद भी यह चातुर्मास विजयनगर संघ के प्रबल पुण्योदय से संघ को प्राप्त हुआ है, इसलिए सभी सदस्य परिवारों का इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए क्योंकि ऐसे अवसर बार बार नहीं आते हैं।

इस मौके पर सम्पूर्ण चातुर्मास व्यवस्था समिति के सहयोगी, समस्त सहयोगी शाखाओं एवं दानवीर दानदाताओं को धन्यवाद दिया। इस मौके पर सिरकाली संघ के संरक्षक हरकचन्द बोहरा, अध्यक्ष पुखराज बांठिया, मंत्री रोशनलाल मेड़तवाल, मायावरम संघ प्रमुख सुनील हींगड का संघ लेकर पधारने हेतु विजयनगर के वरिष्ठ श्रावक पुखराज मेहता, वसंतकुमार रांका, राजेन्द्रप्रसाद कोठारी, घेवरचन्द कटारिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्रकुमार बोहरा, गौतम दक कोषाध्यक्ष सुरेशचंद ख़ाब्या, सहमंत्री सुनील लोढा, राजेन्द्रकुमार कोठारी, सुरेशचंद बोहरा, चेनराज छाजेड ने सम्मान किया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्थानकवासी संघों के पदाधिकारी व सदस्य गण उपस्थित थे। सभी ने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा यशस्वी चातुर्मास हेतु शुभकामनाएं दी। संघ के सहमंत्री रवीन्द्रकुमार जैन ने 20 जुलाई से चातुर्मास के दैनिक कार्यक्रमों की जानकारी दी।

कविता में विविधता लाने का बड़ा काम कर रही है शब्द संस्था : मदन कश्यप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । प्रथम अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान से सम्मानित मूर्धन्य कवि मदन कश्यप ने बीते रविवार को 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि हिंदी कविता आज दो तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है।पहली चुनौती व्यावसायिक मंचीय कविता की है, जहाँ लोकप्रियता बहुत है किंतु कविता नहीं और दूसरी चुनौती गंभीर काव्य गोष्ठियों की है, जहाँ कविता तो होती है किंतु श्रोता नहीं। बेंगलूरु की 'शब्द' संस्था इन दोनों चुनौतियों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए अपने साथ इंजीनियर, डॉक्टर आदि दूसरे पेशेवरों को जोड़कर हिंदी के क्षेत्र का जिस तरह से विस्तार कर रही है तथा सृजन में विविधता लाने का प्रयास कर रही है, वह मुझे बहुत महत्त्वपूर्ण लगता है।आप सभी की रचनाओं में जो अनुभव की विविधता है, उससे हिंदी का क्षितिज विस्तार हो रहा है और यह काम आज भारत के पेशेवर युवाओं का कर्मक्षेत्र बेंगलूरु में ही संभव है। मदन कश्यप ने गोष्ठी में कई कविताएँ भी सुनाईं, जिन्हें श्रोताओं द्वारा काफी पसंद की गई। विद्या कृष्णा की अध्यक्षता में आयोजित इस रचना गोष्ठी का प्रभावशाली संचालन दीपक सोपोरी ने किया। वैज्ञानिक अशोक कुमार सूर्य ने सरस्वती वंदना की।भोपाल से आई मधु सक्सेना की स्त्री मनोभावों को उकेरती कविताएँ प्रभावशाली रहीं । डॉ स्वर्ण ज्योति तथा डॉ उषारानी राव एवं कविता भट्ट की नारी संवेदना पर केंद्रित कविताएँ असरकारी थीं। अंजना चांडक की कविता में प्रेम का रूपायन तथा गीता चौबे 'गूँज' की कविता में चनाजोर गरम बेचने वाले का संघर्ष एवं ऋता शेखर 'मधु' की कविता में प्रकृति का चित्रण प्रभावी था। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर एवं कथालोचक अरविन्द कुमार के काव्य पाठ एवं वरुण सिंह 'तन्हा' की गजल को भी श्रोताओं की खूब दाद मिली।

कवि मदन कश्यप

श्रीकांत शर्मा, हंसराज मुणोत, राजेन्द्र गुलेच्छा, लोकेश कुमार मिश्र, बिंदु रायसोनी, भगवती सक्सेना गौड़ तथा रेशमा ए एल की कविताएँ भी श्रोताओं को भायीं।

'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने स्वागत वक्तव्य में संस्था की 28 वर्षों की विकास यात्रा के विभिन्न उपलब्धिपूर्ण पड़ाओं की संक्षिप्त चर्चा की । कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ रचना गोष्ठी संपन्न हुई ।

चातुर्मास आयोजनात्मक नहीं, प्रयोजनात्मक बने : साध्वीश्री उदितयशा

गांधीनगर तेरापंथ भवन में हुआ चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में उल्लास एवम उमंग के साथ अहिंसा रैली के साथ साध्वी उदितयशाजी ने चातुर्मास प्रवेश किया। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल, महिला मण्डल मंत्री ज्योति संचेती, ट्रस्ट मंत्री गौतम डोसी, होसकोटे से सभा अध्यक्ष इंदरचंद धोका ने भावाभिव्यक्ति दी।

प्रज्ञा संगीत सुधा व महिला मण्डल ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। साध्वी संगीतप्रभाजी, भव्ययशाजी व शिक्षाप्रभाजी ने गुरुदेव की दृष्टि व संदेश को एक संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया और चातुर्मास हेतु निर्धारित मुख्य प्रोजेक्ट बताते हुए ज्ञानशाला,बारह व्रती श्रावक,सुमंगल साधना की विशेष प्रेरणा दी।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारा चातुर्मास प्रयोजनात्मक हो उसके लिए हमें अपनी पुरानी विचारधारा में कुछ नया जोड़ना होगा और कुछ घटाना भी होगा। हमें आडंबर और प्रदर्शन की भावना से ऊपर उठना होगा।

कविता के माध्यम से साध्वीश्री उपस्थित जनों को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हमारा पहला लक्ष्य है हमारा साधुपन अच्छा पले,बाद श्रावक व्रत की आराधना में आपके सहयोगी बने रहे ऐसा प्रयत्न करेंगे। उसके बाद हमे सामाजिक स्तर पर कार्य करना है,हमारा सबसे बड़ा कार्य ही गुरुदृष्टि की आराधना, हमारा और आपका एक ही ध्येय हो गुरु दृष्टि के आधार पर आगे बढ़ना । सभा, ज्ञानशाला, महिला मण्डल, युवक परिषद, अणुव्रत समिति, टीपीएफ, कन्या मण्डल,ट्रस्ट के सदस्यों ने मिलकर साध्वीश्री के मिशन एवम प्रोजेक्ट की प्रभावी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर यशवंतपुर सभा अध्यक्ष सुरेश बरडिया, टी दासरहल्ली अध्यक्ष भगवती लाल मांडोत, आड़गुडी अध्यक्षा स्वर्णमाला पोखरणा आदि अनेक गणमान्य श्रावक श्राविका गण उपस्थित थे । रैली के संयोजक अनिल पोखरना ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम का संचालन सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया। आभार सभा के उपाध्यक्ष ललित मांडोत ने दिया ।

चातुर्मास में निवेश किया समय जिन्दगी के साथ व बाद में अच्छे रिटर्न का अवसर है : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

विजयनगर तेरापंथ भवन में हुआ चातुर्मासिक प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी का अध्यात्म रैली के साथ चार्तुमासिक प्रवेश प्रातः 9:51 पर हुआ। सुबह अरविंद हिम्मत पवन मांडोत के निवास स्थान से अध्यात्म रैली का शुभारंभ हुआ। भव्य अध्यात्म रैली जब भवन की ओर बढ़ रही थी तो मानो प्रकृति भी अपनी हल्की-हल्की रिमझिम बौछारों द्वारा स्वागत कर रही थी। मंगल प्रवेश पश्चात तेरापंथ भवन में सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, युवक परिषद अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, अखिल भारतीय युवक परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, अर्हम् मित्र मंडल के अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने अपने स्वागत उद्गार व्यक्त किये। सभी ने लम्बा विहार कर बेंगलूरु पधारने पर साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। महिला मंडल राजराजेश्वरी नगर ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। साध्वियों द्वारा चातुर्मास को स्प्रिचुअल ट्रेड कार्निवल के रूप में रोचक प्रस्तुति देते हुए नए तरीके से विभिन्न स्टॉल्स के माध्यम से रोचक जानकारी प्रदान की।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास उत्सव में निवेश किए हुए समय जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी मिलने वाला हाई रिटर्न निवेश है। साथ ही आध्यात्मिकता से दूर होते हुए युवाओं के लिए रविवारिय कार्यशाला 'डियर जिंदगी'के बारे में बताया।

साध्वीश्री सिद्ध प्रभाजी सकारात्मकता से भरे प्रवचन में कहा कि स्वागत व्यक्ति का नहीं संतों का होता है। भारतीय संस्कृति में बताया गया है कि संतों के सत्संग से धरती स्वर्ग बन जाती है। साध्वीश्री ने कहा कि हम भगवान महावीर और तेरापंथ संघ रूपी आध्यात्मिक कंपनी का खूब माल लाए हैं, हम पूरी मार्केटिंग करेंगे और आपको भी अपने स्तरानुसार जमकर आध्यात्मिक खरीदारी करनी है। इस आध्यात्मिक उत्सव के सारे उत्पादों पर शांति व सकारात्मक शक्ति की जीवनपर्यंत गारंटी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में विजयनगर के विधायक एम. कृष्णप्पा उपस्थित हुए जिन्होंने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी महेंद्र मुनोत ने अज्ञान एवं अहंकार के कपड़ों को उतार कर चातुर्मास रूपी गंगा में डुबकी लगाने की बात रखी। अन्य विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित सद्गुरु कस्तूरी देवीगंगोत्री एवं मातोश्री डॉ उमाभारती जी ने अपने विचार रखें। आचार्यश्री महाप्रज्ञ स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा अणुव्रत गीत का संगान किया। साध्वीश्री के संसार पक्षीय भतीजे चंद्रप्रभ गादिया एवं मानव जी कोठारी ने अभी अपने विचार व्यक्त किए। रैली का संचालन संयोजक पन्नालाल लुनिया ने किया। मंच का संचालन सभा मंत्री दिनेश हिंगड़ ने किया। आभार व्यक्त सभा सहमंत्री विमल दक ने किया।

'असंभव को संभव कर सकता है संकल्प'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को नजरबाद स्थित बुद्धि-वीर वाटिका, शिक्षकर सदन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि चट्टानें बहुत मजबूत होती हैं। उन्हें तोड़ना सरल नहीं होता, पर लोहा उन्हें चूर-चूर कर सकता है। फौलादी ताकत का परचम है। ऐसा मजबूत लोहा भी आग के समक्ष हार जाता है। आग इस्पात को पिघालकर, भाप बनाकर उड़ा सकती है। इसी तरह आग कितनी भी विकराल हो, पानी में ऐसी शक्ति है कि वह भयानक आग को भी बुझा सकता है। आग पर पानी भारी पड़ता है, लेकिन इन सबसे अधिक मनुष्य का संकल्प शक्तिशाली होता है। वह असंभव को संभव कर सकता है। वह देवत्व को धरा पर उतार सकता है। संकल्प ही चमत्कार करता है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संकल्प का बल ही मनुष्य जीवन की सफलता का मूलमंत्र है। चाहे किसी भी क्षेत्र में आप आगे बढ़ना चाहते हों, सबसे पहले उस राह पर आपका दृढ़ संकल्प होना चाहिये। मन से विचलित, कमजोर, भयभीत या संदेहशील लोग कभी ध्येय तक नहीं पहुंच सकते। इतिहास बनाने के लिए तो पक्का फैसला करना पड़ता है। दुविधाओं में रहने वाला व्यक्ति न घर का रहता है, न घाट का। और एक बार फैसला करके आगे बढ़ने के बाद पीछे मुड़कर देखना नहीं होता। क्योंकि पलट-पलट कर देखने वाले कभी इतिहास नहीं बना सकते।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि कुछ करने से पहले संकल्प को मजबूत कीजिये। साधना की सिद्धि हो या संसार की सफलता, संकल्प के बिना कुछ नहीं हो सकता। वर्तमान पीढ़ी में संकल्प की गहरी कमी स्पष्ट दिखाई देती है। वह तत्काल सफलता और परिणाम चाहती है। सहना और संघर्ष करना उसे अच्छा नहीं लगता। वह इस्पात की तरह प्रहार सहने के बजाय कांच की तरह टूट रही है। स्वभाव की इस नीति-रीति को बदलना होगा। मन को हर संघर्ष और परिणाम के लिये तैयार करना चाहिये। गणि पद्मविमलसागरजी ने वर्षावास की गतिविधियों की जानकारी दी। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवड़िया ने योजनाएं प्रस्तुत की। प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि प्रतिदिन धर्मसभा सुबह 9 बजे आयोजित होगी।

तेयुप हनुमंतनगर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर का दायित्व बोध ग्रहण समारोह का आयोजन साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी की निश्रा में हुआ जिसमें श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने किया। पवन मांडोत ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमलेश झाबक को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। उसके बाद अध्यक्ष झाबक ने अपने नए उपाध्यक्ष राहुल मेहता व देवेन्द्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री नवरतन बोल्या व रक्षित लोढ़ा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठनमंत्री संदीप बाबेल को शपथ दिलवाई। इस मौके पर उपस्थित विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों से अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा को शुभकामनाएं दी। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने युवाओं को गुरु इंगित की आराधना करने की प्रेरणा दी। युवाओं को व्यशन मुक्त रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर अभातेयुप साथीगण, परामर्शक श्री प्रकाश बोल्या, श्री बालचंद चावत, श्री महावीर बोल्या, संस्थापक अध्यक्ष रतन कटारिया, पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, महावीर चावत आदि उपस्थित थे। संचालन राकेश पोखरना ने तथा अरविंद मांडोत ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com